www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 मताधिकार और नागरिकता का पेचीदा सवाल, मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े कई सवाल

चीन में जिनपिंग से मिले जयशंकर, कहा- रिश्ते सुधर रहे 06

वर्ष :17 | अंक :105 | प्रयागराज , बुधवार , 16 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

छात्र के आत्मदाह के विरोध में विपक्ष एकजुट, ओडिशा बंद का किया आह्वान

कांग्रेस सहित कम से कम आठ राजनीतिक दलों ने ओडिशा के एक छात्र की आत्मदाह के कारण हुई मौत पर ओडिशा बंद का आह्वान किया है। यह घटनाक्रम कांग्रेस और बीजू जनता दल (बीजद) कार्यकर्ताओं द्वारा भुवनेश्वर में एम्स के बाहर विरोध प्रदर्शन के कुछ घंटों बाद हुआ, जहां छात्रा का शनिवार, 12 जुलाई से इलाज चल रहा था। बालासोर के फकीर मोहन स्वायत्त महाविद्यालय की 20 वर्षीय छात्रा ने पिछले हफ़्ते खुद को आग लगा ली थी। छात्रा का आरोप था कि उसके कॉलेज के एक प्रोफेसर द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई। 95 प्रतिशत तक जलने के कुछ दिनों बाद, सोमवार देर रात छात्रा को मृत घोषित कर दिया गया। भुवनेश्वर स्थित एम्स के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए, पार्टियों ने राज्य सरकार पर मामले को छुपाने का आरोप लगाया और उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज को बर्खास्त करने की मांग की। बीजद नेता सुलता देव ने कहा, पोस्टमॉर्टम रात में क्यों किया गया? शव रात में इसलिए लाया गया ताकि किसी को पता न चले। उन्होंने यह भी बताया कि बीजद नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर इस मामले में हस्तक्षेप की माँग की।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त, दंगा-रोधी बंदूकें और आईईडी भी बरामद

मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) ने मंगलवार को पहाड़ी राज्य में 86 हथियार और 974 गोला-बारूद बरामद किए, जो पिछले कुछ वर्षों में घातक जातीय संघर्ष का गवाह रहा है। समाचार एजेंसी एएनआई ने मणिपुर डीजीपी कार्यालय के हवाले से बताया कि संयुक्त अभियान में, बलों ने इम्फाल पूर्व, इम्फाल पश्चिम, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिले के इलाकों में ग्रेनेड, आईईडी, एके सीरीज और इंसास राइफलें, पिस्तौल, दंगा-रोधी बंदूकें और एसबीबीएल जब्त किए। 13 जुलाई की रात और 4 जुलाई की सुबह, इसी तरह के एक अभियान में, मणिपुर पुलिस ने राज्य के पहाड़ी जिलों में व्यापक तलाशी अभियान के दौरान 200 से ज्यादा हथियार बरामद किए। ये छापे अवैध हथियारों पर अंकुश लगाने और क्षेत्र में शांति बहाल करने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा हैं। राज्य में कानून-व्यवस्था स्थिर रहने के बीच, पुलिस ने तलाशी अभियानों में हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया। ये अभियान मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स, सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों द्वारा शुरू की गई व्यापक कार्रवाई का हिस्सा हैं। पिछले हफ़्ते, मणिपुर पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ़्तार किया।

18 दिन बाद शुभआगमन कैलिफोर्निया के तट पर लैंड हुआ ड्रैगन यान, अंतरिक्ष से सितारे जमीन पर

शुभआगमन

मिशन 14 दिन का था, पर 18 दिन चला। वहां 60 प्रयोग किए गए। इनमें 7 इसरो के थे। शुभांशु 263 किलो वैज्ञानिक सामान और डेटा ला रहे हैं। यह मिशन इसरो के लिए अहम है, क्योंकि भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान 2027 में लॉन्च होना है। शुभांशु के मिशन पर 550 करोड़ खर्च हुए।

एजेंसी

नयी दिल्ली। 15 जुलाई 2025 भारतीय समयानुसार दोपहर 3:00 बजे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की 18 दिन की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) यात्रा का समापन कर धरती पर लौट गए। सभी अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर आ रहा ड्रैगन यान कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में उतरा। उनके ड्रैगन कैप्सूल ने सोमवार शाम 4:45 बजे आईएसएस से अनडॉकिंग के बाद धरती की यात्रा शुरू की। शुभांशु एग्जिओम-4 मिशन के तहत 25 जून को दोपहर 12 बजे तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ आईएसएस गए थे। तब पहुंचने में 28 घंटे लगे थे, लेकिन वापसी 23 घंटे में पूरी होगी। शुभांशु आईएसएस पहुंचने वाले पहले भारतीय हैं।

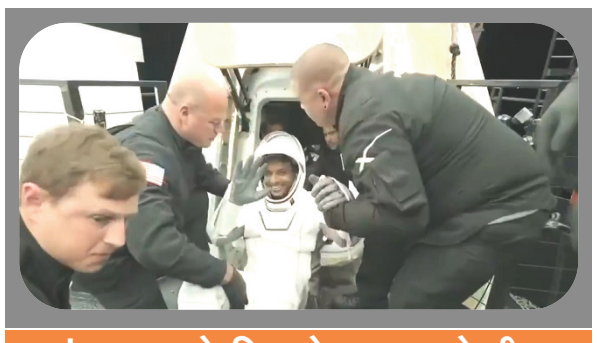

शुभांशु शुक्ला के पिता से राजनाथ ने की बात, योगी बोले- भारत आपके स्वागत को उत्सुक

15 जुलाई 2025 भारतीय समयानुसार दोपहर 3:00 बजे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की 18 दिन की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) यात्रा का समापन कर धरती पर लौट गए। सभी अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर आ रहा ड्रैगन यान कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में उतरा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के पिता शंभू दयाल शुक्ला से बात की। शुभांशु 18 दिन बाद अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथ्वी पर लौटे।

14 दिन का मिशन 18 दिन चला

मिशन 14 दिन का था, पर 18 दिन चला। वहां 60 प्रयोग किए गए। इनमें 7 इसरो के थे। शुभांशु 263 किलो वैज्ञानिक सामान और डेटा ला रहे हैं। यह मिशन इसरो के लिए अहम है, क्योंकि भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान 2027 में लॉन्च होना है। शुभांशु के मिशन पर 550 करोड़ खर्च हुए।

पृथ्वी पर आपका स्वागत है...शुभांशु शुक्ला की सकुशल वापसी पर बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मैं पूरे देश के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हूँ, जो अपने ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन से पृथ्वी पर लौट रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में, उन्होंने अपने समर्पण, साहस और अग्रणी भावना से करोड़ों सपनों को प्रेरित किया है। 15 जुलाई 2025 भारतीय समयानुसार दोपहर 3:00 बजे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की 18 दिन की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) यात्रा का समापन कर धरती पर लौट गए।

कांवड़ यात्रा पथ पर ढाबों पर फिलहाल लगाना ही होगा क्यूआर कोड:सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी-उत्तराखंड सरकार से जवाब तो मांगा, लेकिन रोक नहीं लगाई

यूपी सरकार के वकील जितेंद्र कुमार सेठी ने कहा कि मामला संगीन है और हमें दो हफ्ते का वक्त चाहिए। जिसके बाद इस मामले में 22 तारीख की सुनवाई की वक्त मुकर्रर कर दी। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया और शिक्षाविद् अपूर्वानंद झा एवं अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई 22 जुलाई के लिए स्थगित कर दी।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में योगी सरकार की बड़ी जीत हुई है। क्यूआर कोड मामले को लेकर याचिकाकर्ता ने याचिका दाखिल की थी, उन्हें कोई खास सफलता नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में 2 मिनट की सुनवाई हुई। कांवड़ यात्रा शुरू हो चुकी है और 23 तारीख तक खत्म हो जाना है। लेकिन याचिकाकर्ता को इस मामले में अंतरिम राहत की उम्मीद थी। लेकिन सुनवाई की शुरूआत के समय ही उत्तराखंड सरकार और यूपी सरकार के वकील जितेंद्र कुमार सेठी ने कहा कि मामला संगीन है और हमें दो हफ्ते का वक्त चाहिए। जिसके बाद इस मामले में 22 तारीख की सुनवाई की वक्त मुकर्रर कर दी। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया और शिक्षाविद् अपूर्वानंद झा एवं अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई 22 जुलाई के लिए स्थगित कर दी। शीर्ष अदालत ने पिछले साल भाजपा शासित उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश द्वारा जारी इसी तरह के निर्देशों पर रोक लगा दी थी, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्गों पर स्थित भोजनालयों को अपने मालिकों, कर्मचारियों के नाम और अन्य विवरण प्रदर्शित करने के लिए कहा गया था।

पिथौरागढ़ में बड़ा सड़क हादसा, सवारियों से भरा वाहन नदी में गिरा, 8 की मौत

सीएम धामी ने जताया दुख

मिली जानकारी के अनुसार, घटना मंगलवार शाम करीब 4 बजे की है. थल-पिथौरागढ़ मोटर मार्ग में मुवानी के पास सूनी पुल से एक वाहन (मैक्स जीप) अनियंत्रित होकर 100 फीट नीचे नदी में जा गिरा.

एजेंसी

पिथौरागढ़: उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में बड़ा हादसा हुआ. जहां सवारियों से भरा वाहन (मैक्स) नदी में जा गिरा है. हादसे में 8 लोगों की मौत की सूचना है. जबकि 5 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं. जानकारी के मुताबिक, वाहन मुवानी से बोकटा जा रहा था. जो कि मुवानी क्षेत्र के भंडारी गांव के पास दुर्घटना का शिकार हो गया. वाहन में कुल 13 लोग सवार थे.मिली जानकारी के अनुसार, घटना मंगलवार शाम करीब 4 बजे की है. थल-पिथौरागढ़ मोटर मार्ग में मुवानी के पास सूनी पुल से एक वाहन (मैक्स जीप) अनियंत्रित होकर 100 फीट नीचे नदी में जा गिरा. हादसे में वाहन के परखच्चे उड़ गए. हादसे में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. मृतकों में दो सगे बहनें हैं. सभी मृतक बोकटा क्षेत्र के निवासी हैं. मृतकों में तनुजा और विनीता आपस में सगी बहनें हैं, जो जीआईसी मुवानी में कक्षा 9वीं के छात्रा हैं. घायलों को 108 के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुवानी भेजा गया. जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर भेज दिया गया है. घटना की जानकारी मिलते ही बेरीनाग एसडीएम आशीष जोशी और तहसीलदार देवलथल और थानाध्यक्ष थल शंकर सिंह रावत के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची.

मैक्स हादसे में मृतकों का विवरण

सिमरन पुत्री कुंदन सिंह (उम्र 8 वर्ष), निवासी- बोकटा, पिथौरागढ़

तनुजा पुत्री चंद्र सिंह (उम्र 15 वर्ष), निवासी- बोकटा, पिथौरागढ़

विनीता पुत्री चंद्र सिंह (उम्र 14 वर्ष), निवासी- बोकटा, पिथौरागढ़

नरेंद्र सिंह पुत्र चंद्र सिंह (उम्र 40 वर्ष) वाहन चालक, निवासी- बोकटा, पिथौरागढ़

राजेंद्र सिंह पुत्र किशन सिंह (उम्र 60 वर्ष), निवासी- बोकटा, पिथौरागढ़

होशियार सिंह पुत्र भीम सिंह (उम्र 65 वर्ष), निवासी- बोकटा, पिथौरागढ़

शांति देवी पुत्री केशर राम (उम्र 50 वर्ष), निवासी- बोकटा, पिथौरागढ़

दिकभा पत्नी पंकज सिंह (उम्र 28 वर्ष), निवासी- बोकटा, पिथौरागढ़

बॉलर यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक

यौन शोषण केस में हाईकोर्ट बोला- एक-दो दिन मूर्ख बनाया जा सकता है, 5 साल नहीं

एजेंसी

प्रयागराज , क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा- आपको एक दिन, दो दिन के लिए मूर्ख बनाया जा सकता है। मगर 5 साल के रिश्ते में किसी को मूर्ख नहीं बनाया जा सकता। यौन उत्पीड़न की एफआईआर के खिलाफ यश दयाल ने याचिका दाखिल की थी। मंगलवार को न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा व अनिल कुमार की खंडपीठ ने सुनवाई की।

भारतीय सेना मानहानि मामले में राहुल गांधी का लखनऊ कोर्ट में सरेंडर

5 मिनट बाद मिली जमानत

यह मानहानि का मामला गांधी द्वारा अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के खिलाफ की गई कथित अपमानजनक टिप्पणियों से जुड़ा है। अदालत के समन का पालन करते हुए, गांधी लखनऊ में सांसदों और विधायकों के लिए विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश हुए।

एजेंसी

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना पर की गई टिप्पणी को लेकर दर्ज मानहानि के एक मामले में लखनऊ की एक अदालत ने जमानत दे दी है। जानकारी के अनुसार, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा की अध्यक्षता वाली एमपी-एमएलए कोर्ट ने उन्हें 20-20 हजार रुपये के दो मुचलके भरने पर राहत दी। यह मानहानि का मामला गांधी द्वारा अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के खिलाफ की गई कथित अपमानजनक टिप्पणियों से जुड़ा है। अदालत के समन का पालन करते हुए, गांधी लखनऊ में सांसदों और विधायकों के लिए विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश हुए।

राहुल गांधी ने क्या कहा?

यह विवाद 16 दिसंबर, 2022 को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान शुरू हुआ था। गलवान घाटी में हुई झड़पों का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा था कि चीनी सैनिक हमारे सैनिकों को पीट रहे हैं और कोई इस बारे में सवाल तक नहीं पूछ रहा है। उन्होंने आगे कहा था कि चीनी सैनिक हमारे सैनिकों को पीट रहे हैं। हालाँकि, भारतीय सेना ने कुछ दिन पहले ही 12 दिसंबर को एक आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया था कि चीनी सैनिकों ने भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें कड़ा और माकूल जवाब दिया गया। बयान के अनुसार, चीनी सेना को पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा और दोनों पक्षों को केवल मामूली चोटें आईं।

प्रशांत किशोर का दावा, बिहार में 60% से ज्यादा लोग चाहते हैं बदलाव

कांग्रेस का कोई वजूद नहीं

प्रशांत किशोर आगे कहा कि एक गठबंधन बीजेपी-जेडीयू का है और दूसरी तरफ आरजेडी का गठबंधन है। इसलिए बिहार के लोगों के पास सिर्फ तीन विकल्प हैं। पहला, अगर वे चाहते हैं कि मौजूदा व्यवस्था जारी रहे, तो उन्हें नीतीश-बीजेपी को वोट देना चाहिए

एजेंसी

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार को लेकर बड़ा दावा किया है। प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में 60% से ज्यादा लोग बदलाव चाहते हैं, जिसमें बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसर के साथ-साथ एक नई व्यवस्था भी शामिल है... आरजेडी को यहाँ वोट इसलिए मिलते हैं क्योंकि मुसलमान बीजेपी को वोट नहीं देते। कांग्रेस का यहाँ कोई वजूद नहीं है, एआईएमआईएम हैदराबाद की पार्टी है। इन पार्टियों का कोई वजूद नहीं है। बिहार में सिर्फ.जेडीयू, आरजेडी और बीजेपी ही पार्टियाँ हैं। प्रशांत किशोर आगे कहा कि एक गठबंधन बीजेपी-जेडीयू का है और दूसरी तरफ आरजेडी का गठबंधन है। इसलिए बिहार के लोगों के पास सिर्फ. तीन विकल्प हैं। पहला, अगर वे चाहते हैं कि मौजूदा व्यवस्था जारी रहे, तो उन्हें नीतीश-बीजेपी को वोट देना चाहिए; दूसरा, अगर आप इस व्यवस्था से तंग आ चुके हैं, तो आपके पास दो रास्ते हैं—या तो आरजेडी का जंगल राज, अपराध और गुंडागर्दी वापस लाएँ, या एक ईमानदार और मजबूत प्रयास (जन सुराज) में शामिल हों। इससे पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हाल में अलविदा कहने वाले बिहार के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मनीष कश्यप ने सोमवार को प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी का दामन थाम लिया। वह यहां किशोर की मौजूदगी में अपने समर्थकों के साथ जन सुराज पार्टी में शामिल हुए। कश्यप के यूट्यूब अकाउंट पर लगभग एक करोड़ सब्सक्राइबर हैं।

गोल्डन टेंपल को बम से उड़ाने की धमकी, लगातार दूसरे दिन आया धमकी भरा ईमेल

मंदिर परिसर में विस्फोटक रखे होने की चेतावनी वाले इस ईमेल के बाद एसजीपीसी अधिकारियों और पंजाब पुलिस दोनों ने तुरंत और समन्वित कार्रवाई शुरू कर दी है।

एजेंसी

अमृतसर के गोल्डन टेंपल को बम से उड़ाने की धमकी फिर से मिली है। धमकी भरा ईमेल लगातार दूसरे भी आया है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) को ईमेल के जरिए मिली बम की धमकी के बाद स्वर्ण मंदिर परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मंदिर परिसर में विस्फोटक रखे होने की चेतावनी वाले इस ईमेल के बाद एसजीपीसी अधिकारियों और पंजाब पुलिस दोनों ने तुरंत और समन्वित कार्रवाई शुरू कर दी है। एसजीपीसी के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मन्नान ने पुष्टि की कि धमकी भरे ईमेल में आरडीएक्स की मौजूदगी और पवित्र स्थल को संभावित नुकसान का ज़िक्र था। हालाँकि ईमेल में समय का स्पष्ट विवरण नहीं था, फिर भी हमले की संभावित तारीख के रूप में सोमवार का अस्पष्ट उल्लेख था।

जिहाद

असम में जनसांख्यिकीय बदलाव पर बोले हिमंत बिस्वा सरमा

असमिया लोगों को खत्म करने का जिहाद...

एजेंसी

नयी दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को राज्य में जनसांख्यिकीय बदलाव के अपने दावों को और पुख्ता करते हुए कहा कि स्थानीय समुदाय दबाव में हैं। उन्होंने इसे एक धर्म के लोगों द्वारा रणनीतिक अतिक्रमण बताया। गुवाहाटी में मीडिया को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि ये प्रवासी राजनीतिक प्रभाव हासिल करने के इरादे से विभिन्न क्षेत्रों की जनसांख्यिकीय रूपरेखा को बदलने का प्रयास कर रहे हैं। हिमंत के अनुसार, राज्य सरकार ने मई 2021 से अब तक कई बेदखली अभियानों के जरिए 1.19 लाख बीघा से ज्यादा अतिक्रमित जमीन को खाली कराया है। हालाँकि उन्होंने सीधे तौर पर उस समुदाय का नाम नहीं बताया जिसकी ओर वे इशारा कर रहे थे, लेकिन यह ध्यान देने योग्य है कि बेदखल किए गए लोगों में से कई बंगाली भाषी मुसलमान हैं। एक प्रेस वार्ता में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वन और सरकारी जमीन से बेदखल किए गए ज्यादातर लोगों के पास पहले से ही अपने मूल ज़िलों में जमीन है, लेकिन वे किसी कथित मकसद से असम के दूर-दराज के इलाकों में जा बसते हैं। उन्होंने कहा कि वन विनाश इन मुद्दों में से एक है। ये लोग उस जगह की जनसांख्यिकी बदलने के लिए पलायन करते हैं। उन्होंने आगे बताया कि प्रवासी बाद में अपने नए ठिकानों पर मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज कराते हैं। उन्होंने दावा किया, और जब उनकी संख्या हजारों में हो जाती है, तो वे एक बड़ा वोट बैंक बन जाते हैं, और राजनीतिक नेता जंगल या सरकारी जमीन पर उनके शुरूआती अतिक्रमण के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करते। उन्होंने समुदाय का नाम लिए बिना कहा, ये सभी लोग एक ही धर्म के हैं। असम के मुख्यमंत्री ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, यह सिर्फ. जमीन जिहाद नहीं है, बल्कि असमिया लोगों को खत्म करने का जिहाद है... निचले और मध्य असम में जनसांख्यिकीय अतिक्रमण के बाद, अब यह ऊपरी असम में हो रहा है। हिमंत ने आरोप लगाया कि अतिक्रमण की इस लहर को कांग्रेस पार्टी का राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है।

गुवाहाटी में मीडिया को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि ये प्रवासी राजनीतिक प्रभाव हासिल करने के इरादे से विभिन्न क्षेत्रों की जनसांख्यिकीय रूपरेखा को बदलने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ इलाकों में पार्टी के वोट शेयर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसे उन्होंने जनसांख्यिकीय बदलावों से जोड़ा।

बिहार में हुआ महात्मा गांधी के परपोते का अपमान, तेजस्वी यादव बोले- हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं

स्थानीय मुखिया विनय कुमार साह ने उन्हें उस स्थल पर आने और पंचायत भवन में एक संगोष्ठी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। हालाँकि, कार्यक्रम के दौरान उस समय तनाव बढ़ गया जब गांधी के एक सहयोगी ने कथित तौर पर महागठबंधन के समर्थन में राजनीतिक टिप्पणी की, जिससे मुखिया नाराज हो गए।

एजेंसी

नयी दिल्ली। एक नए राजनीतिक भूचाल में, महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी को कथित तौर पर अपमानित किया गया और बिहार में अपनी पदयात्रा के दौरान पूर्वी चंपारण के तुरकौलिया में एक कार्यक्रम से बाहर जाने को कहा गया। यह घटना तुरकौलिया में ऐतिहासिक नील के पेड़ के पास आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान हुई, जो महात्मा गांधी की विरासत से जुड़ा है। तुषार गांधी, जिन्होंने 12 जुलाई को पश्चिमी चंपारण के भितिहरवा गांधी आश्रम से बदलाव यात्रा की शुरूआत की थी, अपनी यात्रा के तहत तुरकौलिया पहुँचे थे। स्थानीय मुखिया विनय कुमार साह ने उन्हें उस स्थल पर आने और पंचायत भवन में एक संगोष्ठी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। हालाँकि, कार्यक्रम के दौरान उस समय तनाव बढ़ गया जब गांधी के एक सहयोगी ने कथित तौर पर महागठबंधन के समर्थन में राजनीतिक टिप्पणी की, जिससे मुखिया नाराज हो गए। जवाब में, विनय साह ने कथित तौर पर तुषार गांधी पर मंच का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया और महात्मा गांधी से अपने संबंध से इनकार करते हुए अंततः उन्हें कार्यक्रम स्थल से चले जाने को कहा।

सम्पादकीय

आयकर विभाग की छापेमारी, राजनीतिक चंदे के फर्जी बिल

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि भ्रष्ट नेताओं नौकरशाहों के पास से करोड़ों-अरबों रुपये की नकदी मिलती ही रहती है। यदि नेताओं नौकरशाहों की रिश्वतखोरी पर सचमुच लगाम लगानी है तो नकदी के चलन को कम करना होगा और मनी ट्रेल का पता लगाने की कोई ठोस व्यवस्था भी करनी होगी।आयकर विभाग को राजनीतिक चंदे के फर्जी बिल लगाने वालों के खिलाफ देश भर में बड़े पैमाने पर छापेमारी करनी पड़ी। राजनीतिक चंदे के फर्जी बिल लगाकर आयकर से बचने का काम पहले भी होता रहा है। माना जाता था कि इसमें कुछ कमी आई होगी, लेकिन लगता है कि स्थिति जस की तस है। यदि वास्तव में ऐसा है तो इसका मतलब है कि राजनीतिक चंदे और आयकर संबंधी कानून ऐसे हैं कि लोग उनका दुरुपयोग आसानी से कर लेते हैं ।यदि नियम-कानून कमजोर होंगे तो लोग उन्हें तोड़ने का काम करेंगे ही। यह ठीक है कि लोगों को जिम्मेदार होना चाहिए, लेकिन आखिर सरकार की भी तो कोई जिम्मेदारी बनती है। समझना कठिन है कि वह राजनीतिक चंदे और आयकर से जुड़े कानून इस तरह के क्यों नहीं बना पा रही है कि उनका न्यूनतम दुरुपयोग हो सके और यदि लोग दुरुपयोग करें तो आसानी से पकड़ में आ जाएं।बात केवल आयकर कानूनों की विसंगतियों की ही नहीं है।टैक्स संबंधी अन्य कानून भी खामियों से पूरी तौर पर मुक्त नहीं किए जा सके हैं। आयकर की तरह जीएसटी की भी चोरी होती है। लोग टैक्स बचाने के उपाय करें, यह तो समझ आता है, लेकिन अपने देश में इसके नाम पर कर चोरी खूब होती है। यह ठीक है कि कर संग्रह बढ़ रहा है, लेकिन उतना नहीं, जितना बढ़ना चाहिए।वैसे तो टैक्स चोरी दुनिया भर में होती है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि भारत में भी वह होती रहे और उस पर कोई प्रभावी लगाम न लग पाए।टैक्स चोरी अमीर तबका भी करता है और उसकी देखादेखी मध्यमवर्ग भी। टैक्स चोरी पर शायद पूरी तौर पर तो रोक नहीं लगाई जा सकती, लेकिन टैक्स चुराने वाले लोगों के मन में कानून का थोड़ा भय भी होना चाहिए।यह शुभ संकेत नहीं कि अपने देश में तमाम दावों के बाद भी टैक्स ढांचे में पर्याप्त सुधार नहीं किया जा सका है। पता नहीं टैक्स ढांचे में जरूरी सुधार करने में देरी क्यों हो रही है? जो भी हो इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि नोटबंदी के बाद यह जो दावा किया गया था कि नकदी का चलन कम हो जाएगा, वह थोथा ही साबित हुआ।किसी को इस पर विचार करना चाहिए कि नकदी का इतना अधिक चलन क्यों है? भ्रष्टाचार में नकदी की एक बड़ी भूमिका है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि भ्रष्ट नेताओं, नौकरशाहों के पास से करोड़ों-अरबों रुपये की नकदी मिलती ही रहती है।

आज का विचार

अँधेरे से मत ड़रो,
सितारे अँधेरे में ही
चमकते हैं

भारत संवाद

राशिफल

मेष राशिः करियरः आज का दिन अच्छा रहेगा. कार्यक्षेत्र में माहौल अनुकूल रहेगा. विरोधी भी सहयोग करेंगे. बिजनेसः किसी नए कार्य की शुरूआत कर सकते हैं, जो आगे चलकर लाभ देगा.धनः आर्थिक दृष्टि से दिन सकारात्मक रहेगा. लाभ के योग हैं. शिक्षाः विद्यार्थी मन लगाकर पढ़ाई करें, सफलता मिल सकती है.

वृषभ राशि : करियरः कार्यक्षेत्र में लाभ के योग हैं. पुराने कार्य को छोड़ सकते हैं. बिजनेसः किसी नए कार्य का शुभारंभ संभव है, जिससे आर्थिक स्थिति सुधरेगी. धनः पारिवारिक खरीदारी में खर्च हो सकता है.शिक्षाः पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी, सफलता मिलेगी.

मिथुन राशि : करियरः कार्य में अस्थिरता रहेगी. बाहरी यात्रा संभव है, पर सफलता संदिग्ध.बिजनेसः बने काम बिगड़ सकते हैं, सतर्क रहना जरूरी है. धनः खर्च बढ़ सकते हैं, फिजूलखर्ची से बचें.

कर्क राशिः करियरः अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा. थकान और तनाव संभव.बिजनेसः बड़े बदलाव से बचें, फिलहाल स्थिरता ही लाभकारी होगी. धनः सोच-समझकर निर्णय लें. शिक्षाः एकाग्रता की कमी रह सकती है. लव/पारिवारिकः दुखद समाचार मिल सकता है, जिससे मन व्यथित रहेगा. उपायः शिव जी को जल चढ़ाएं.

सिंह राशि : करियरः रुके हुए कार्य पूरे होंगे. तरक्की के योग हैं. बिजनेसः नई डील या पार्टनरशिप से लाभ हो सकता है. धनः निवेश से अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना है. शिक्षाः विद्यार्थियों को मेहनत का फल मिलेगा. लव/पारिवारिकः धार्मिक आयोजन हो सकता है. परिवार संग यात्रा के योग बनेंगे.

कन्या राशि : करियरः किसी खास कार्य के लिए यात्रा करनी पड़ सकती है. बिजनेसः व्यापार में नए परिवर्तन का विचार लाभकारी हो सकता है. धनः पैतृक संपत्ति से लाभ संभव है.शिक्षाः पुराने मित्र की मदद से पढ़ाई में लाभ हो सकता है.लव/पारिवारिकः दिन पारिवारिक दृष्टि से अच्छा रहेगा.

उपायः गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें.

तुला राशिः करियरः जोखिम भरे फैसले से बचें, कार्य में सतर्कता रखें. बिजनेसः किसी पर अत्यधिक निर्भरता नुकसानदेह हो सकती है.धनः निवेश सोच-समझकर करें. शिक्षाः पढ़ाई में उतार-चढ़ाव रह सकता है.

वृश्चिक राशिःकरियरः स्वास्थ्य समस्याएं परेशानी बढ़ा सकती हैं. काम पर असर पड़ेगा. बिजनेसः लेनदेन सावधानी से करें. कानूनी दस्तावेजों की जांच जरूरी है.धनः अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है.

मकर राशि :करियरः कोई शुभ समाचार मिलेगा. कार्य में उन्नति होगी. बिजनेसः प्रॉपर्टी डीलिंग से लाभ होगा. धनः निवेश से लाभ की संभावना है. शिक्षाः एकाग्रता बनी रहेगी, परिणाम अच्छे आएंगे. लव/पारिवारिकः मांगलिक कार्य के योग हैं, परिवार में आनंद रहेगा.

कुंभ राशि : करियरः वाहन चलाते समय सावधानी रखें. कार्य में विवादों से बचें. बिजनेसः निवेश सोच-समझकर करें, हानि के संकेत हैं. धनः किसी अपरिचित को उधार देना हानिकारक होगा. शिक्षाः पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो सकता है.लव/पारिवारिकः पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद संभव है.उपायः भगवान शिव को नीला पुष्प चढ़ाएं.

मीन राशि : करियरः कार्य में सफलता धीरे-धीरे मिलेगी, यात्रा सफल रहेगी. बिजनेसः व्यापार में बदलाव के योग हैं, विशेषज्ञ की सलाह लें. धनः धन संबंधी कार्यों में सफलता मिलेगी. शिक्षाः छात्रों के लिए दिन अच्छा है. लव/पारिवारिकः लवमेट से तालमेल बेहतर होगा, मतभेद खत्म होंगे. उपायः मछलियों को आटा खिलाएं.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मताधिकार और नागरिकता का पेचीदा सवाल, मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े कई सवाल

राजनीतिक प्रयोगशाला में देर-सबेर नागरिकता संशोधन कानून अपनी उपयोगिता निभा सकता है लेकिन न्यायपालिका भी सत्ता का आईना है जिसमें लोकतंत्र की नाव यथार्थ से थोड़ी दूर मगर सुरक्षित दिखाई देती है। बहस के दौरान की गई अदालती टिप्पणियां फैसलों में प्राय विलुप्त हो जाती हैं। देश में कानून का राज है किसी दल विशेष का नहीं।

पा बिहार में मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस मामले में विपक्षी दलों की ओर से पैरवी में लगे वकील-सांसद कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी थी कि इस समीक्षा की आड़ में निर्धन, अशिक्षित, दलित और वंचित तबके के लोगों को मतदाता सूची से बाहर करने का षड्यंत्र किया जा रहा है और सत्ताधारी दल के इशारे पर चुनाव आयोग मनमानी कर रहा है। जब चुनाव आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि मताधिकार के लिए नागरिकता अनिवार्य है और आधार, राशन, चुनाव, पैन कार्ड आदि को नागरिक होने का प्रमाण नहीं माना जा सकता तो न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और जायमल्या बागची ने कहा कि नागरिकता की जांच का काम तो गृह मंत्रालय का है, न कि चुनाव आयोग का। इस पर आयोग की ओर से जवाब दिया गया कि उसे अनुच्छेद 326 के तहत भी अधिकार प्राप्त हैं। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। अब 28 जुलाई को मामले की अगली सुनवाई होगी। पुनरीक्षण प्रक्रिया जारी रखने की हरी झंडी दिखाने के साथ ही शीर्ष अदालत ने इस प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आधार, वोटर, राशन कार्ड आदि दस्तावेजों को मान्य करने का सुझाव देते हुए मतदाता सूची अधिसूचित करने से पहले सभी पक्षों को अवगत कराने का भी निर्देश दिया। यह निर्देश भी दिया कि बिना अवसर दिए किसी का नाम न हटाया जाए। चुनाव आयोग 2003 के बाद मतदाता बने व्यक्तियों की नागरिकता संबंधी दस्तावेजों की जांच में आधार, राशन या चुनाव कार्ड को प्रामाणिक दस्तावेज नहीं मान रहा था।

संवैधानिक संस्था होने के नाते चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट के सुझावों-निर्देशों का सम्मान करना ही चाहिए, पर इस बार दुविधा बहुत बड़ी है। पेच इस पहलू में फंसा हुआ है कि मतदाता होने के लिए भारत का नागरिक होना अनिवार्य है और नागरिकता संशोधन कानून के अनुसार नागरिकता के लिए विशेष रूप से 2004 के बाद भारत में पैदा हुए व्यक्ति को यह प्रमाणित करना अनिवार्य है कि जन्म के समय उसके माता-पिता भारत के नागरिक थे/हैं। अथवा दोनों में से एक नागरिक है और ह्यघुसपैठियाह्ल नहीं है। यही वह वर्ग है जो पहली बार मतदाता बनेगा। ऐसे में इस कवायद से जुड़े तमाम सवाल केवल बिहार चुनाव और वहां की मतदाता सूची तक ही सीमित नहीं रहेंगे। इसकी गूंज आने वाले चुनावों में भी सुनाई देगी। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार जैसे देशों के लोगों के नाम आने के संकेतों के बीच इसकी मांग जोर पकड़ रही कि मतदाता सूची सत्यापन का काम पूरे देश में किया जाए। चुनाव आयोग ने ऐसा करने को कहा भी है।

सैद्धांतिक रूप से भारतीय नागरिकता जन्म और निवास के आधार पर तय की गई है। संविधान लागू होने के कुछ समय बाद भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 में प्रविधान किया गया कि अगर किसी व्यक्ति का भारत में जन्म हुआ है तो उसे भारत का नागरिक माना-समझा जाएगा। नागरिकता कानून में जनवरी, 2004 से संशोधन किया गया कि 7 जुलाई, 1987 के बाद, किंतु 7 जनवरी, 2004 से पहले भारत में पैदा हुआ व्यक्ति भारत का नागरिक माना-समझा जाएगा, बशर्ते जन्म के समय उसके माता या पिता भारत के नागरिक हों। 7 जनवरी, 2004 के बाद जन्मा व्यक्ति भारत का नागरिक तभी होगा, जब उसके माता-पिता भारत के नागरिक हों या दोनों में से एक भारत का नागरिक हो और दूसरा ह्यघुसपैठियाह्ल न हो। नागरिकता कानून को लेकर सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1970 उस साल एक अप्रैल से लागू हुआ। 1970 से पहले जन्म या मृत्यु का पंजीकरण अनिवार्य नहीं था। इसलिए हर नागरिक के पास जन्म प्रमाण पत्र होना असंभव है। हालांकि 1970 के बाद जन्में तमाम नागरिकों के पास भी जन्म प्रमाण पत्र नहीं होगा। अधिकांश के पास पासपोर्ट, राशन कार्ड, आधार, पैन और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज तो हैं, लेकिन माता-पिता के जन्म का प्रमाण पत्र नहीं होगा। पासपोर्ट भारतीय नागरिकों को ही जारी किया जाता रहा है, मगर वह भी सिर्फ यात्रा दस्तावेज है। इस बहस में कुछ और सवाल उभरते हैं। देसी-विदेशी महिला (पुरुष) से विवाह का पंजीकरण अभी तक अनिवार्य नहीं है। अनाथ और लावारिस व्यक्तियों की नागरिकता का क्या होगा? एकल या अविवाहित मांओं के बारे में भी सोचना पड़ेगा या नहीं? 2015 में सर्वोच्च न्यायालय ने एबीसी बनाम दिल्ली राज्य जैसे मामले में फैसला सुनाया था कि अविवाहित मां को अपने बच्चों की संरक्षता के लिए पिता की मंजूरी की जरूरत नहीं होगी। उसके आदेश में कहा गया था कि जब भी किसी एकल अभिभावक या अविवाहित मां अपने बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करे तो सिर्फ एक हलफनामा पेश किए जाने पर बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाए ।इस निर्णय के बावजूद जन्म प्रमाण पत्र के लिए ह्यआनलाइन रजिस्ट्रेशन सिस्टमह्ल में अभी भी बच्चे के पिता का नाम बताना अनिवार्य है। अन्यथा पंजीकरण संभव नहीं। यदि किसी मामले में मां की उम्र 18 साल से कम (नाबालिग) है तो मौजूदा ह्यसिस्टमह्ल सूचना स्वीकार नहीं करता। अगर 2025 में भी जन्म प्रमाण पत्र लेना इतना आसान नहीं तो अनुमान लगाया जा सकता है कि बिहार या बंगाल में वोट बनवाना कितना मुश्किल काम हो सकता है।राजनीतिक प्रयोगशाला में देर-सबेर नागरिकता संशोधन कानून अपनी उपयोगिता निभा सकता है, लेकिन न्यायपालिका भी सत्ता का आईना है, जिसमें लोकतंत्र की नाव यथार्थ से थोड़ी दूर, मगर सुरक्षित दिखाई देती है। बहस के दौरान की गई अदालती टिप्पणियां फैसलों में प्रायः विलुप्त हो जाती हैं। देश में कानून का राज है, किसी दल विशेष का नहीं। इसलिए कानून का पालन और न्याय व्यवस्था में अटूट आस्था बनाए-बचाए रखना जरूरी है। मताधिकार के लिए नागरिकता अनिवार्य तो है, लेकिन चुनावी फायदे के लिए कानून को राजनीतिक अखाड़ा बनाना लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं होगा।

डिजिटल-क्रांति से ही नकली नोटों पर नियंत्रण संभव

ललित गर्ग

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने न केवल अर्थव्यवस्था को, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और नागरिकों की जागरूकता को भी झकझोर कर रख दिया है। आरबीआई के गवर्नर द्वारा संसदीय समिति में प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 500 रुपए के लगभग 1.8 लाख नोट नकली पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संख्या किसी सामान्य अपराध की नहीं, बल्कि राष्ट्र के विरुद्ध एक षड्यंत्र की कहानी कहती है। जो यह दशार्ता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। यह न केवल नकली मुद्रा के बढ़ते खतरे को रेखांकित करता है, बल्कि राष्ट्रविरोधी तंत्र की सुनियोजित साजिश का भी पदार्पाश करता है। जबकि 2016 में नोटबंदी के ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भ्रष्टाचार, कालेधन और नकली नोटों के खिलाफ लड़ाई उनकी प्राथमिकताओं में है। नोटबंदी केवल एक आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव रखने वाला साहसी एवं युगांतरकारी कदम था।आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें। नकली मुद्रा का मुद्दा केवल एक आर्थिक अपराध नहीं है। यह एक प्रकार का आर्थिक आतंकवाद है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना, महंगाई को बढ़ाना, काले धन को बढ़ावा देना और आतंकवाद को वित्त पोषण देना है। ये नकली नोट अधिकतर सीमापार से संचालित तंत्रों द्वारा भारत में भेजे जाते हैं, जो भारत की राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। इस तरह राष्ट्र के विरुद्ध षड़यंत्र, साजिश एवं बड़े खतरों को अंजाम दिया जा रहा है। क्योंकि नकली नोट बाजार में असली नोटों के साथ मिलकर मुद्रा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। आम नागरिक अनजाने में इन्हें ले लेता है और आर्थिक नुकसान उठाता है। यह काले धन और आतंकवाद को पोषित करता है। नकली नोट सरकारी योजनाओं की निष्पक्षता और वितरण प्रणाली को भी प्रभावित करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की डिजिटल क्रांति न केवल नकली नोटों को नियंत्रित करने का बल्कि राष्ट्र-विरोधी तत्वों को नेस्तनाबूद करने का सशक्त माध्यम है। यह मोदी की दूरदृष्टि एवं नये भारत-विकसित भारत के विजन की विजय है, उनके ही विचारों में डिजिटल लेन-देन केवल तकनीक नहीं, यह राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। आज के भारत की अर्थव्यवस्था एक निर्णायक दौर से गुजर रही है। डिजिटल ग्राम योजना, ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता अभियान यानी तकनीक को गाँव और गरीब तक पहुँचाने की पहल है। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश डिजिटल इंडिया की ओर तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर नकली नोटों की बाढ़ एक अदृश्य आतंकवाद बनकर देश की अर्थव्यवस्था, समाज और सुरक्षा को चुनौती दे रही है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए।

इस संकट की घड़ी में डिजिटल लेन-देन एक बड़ी राहत और समाधान बनकर उभरा है। यूपीआई, भीम मोबाइल वॉलेट्स, नेट बैंकिंग और कार्ड पेमेंट्स जैसे साधन नकली नोटों की समस्या को जड़ से समाप्त करने में सहायक हो सकते हैं। डिजिटल लेन-देन के लाभ ही लाभ है, पूर्ण पारदर्शिता यानी हर लेन-देन का डिजिटल रिकॉर्ड होता है, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आती है। कर चोरी, हवाला, और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी काली प्रवृत्तियाँ समाप्त होती है। नकली मुद्रा की संभावनाओं पर विराम लगता है, जिससे राष्ट्र-विरोधी तत्वों के षड़यंत्र एवं साजिशें नाकाम होती है। लेन-देन सेकंडों में पूरा होता है और उनमें सरलता भी रहती है। पासवर्ड आधारित सुरक्षा व्यवस्था से लेन-देन सुरक्षित रहता है। सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लाभार्थियों तक पहुंचता है, पैसा सीधे उनके खातों में पहुँचता है, बिचौलियों की भूमिका समाप्त होती है। जिससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण होता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने हर मंच पर डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने की बात कही है। उन्होंने गाँव-गाँव जाकर लोगों को मोबाइल बैंकिंग, क्यूआर कोड, और कार्ड से भुगतान की शिक्षा देने की मुहिम चलाई है। इसका असर यह है कि आज भारत यूपीआई ट्रांजैक्शन में दुनिया में नंबर 1 है। डिजिटल इंडिया गरीब को ताकत देता है, मिडल क्लास को सुविधा देता है और राष्ट्र को मजबूती देता है। भारत की असली शक्ति अब डिजिटल प्रचलन बन रही है, जहाँ एक बटन से करोड़ों का ट्रांजैक्शन सुरक्षित होता है। मोदी की डिजिटल क्रांति ने भारत को इक्कीसवीं सदी की आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में मजबूत आधार दे दिया है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस डिजिटल युद्ध में सहभागी बनें, नकली नोटों को ना कहें, डिजिटल लेन-देन को अपनाएं। यही राष्ट्रभक्ति है, यही समय की माँग है। संदिग्ध नकदी की सूचना तुरंत संबंधित एजेंसियों को दें। नकली नोटों की पहचान करना सीखें और दूसरों को भी जागरूक करें। निश्चित ही जहाँ नकली नोट देश की आत्मा को खोखला करते हैं, वहीं डिजिटल मुद्रा राष्ट्र की नींव को मजबूत करती है।निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है।साथ-ही-साथ डिजिटल भुगतान से जुड़े घपल्ले एवं घोटाले भी है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए।

नॉर्थ कोरिया,रूस और चीन की जुगलबंदी, बढ़ गई डोनाल्ड ट्रंप की बेचैनी

संजीव ठाकुर

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति पद की ताजपोषी के साथ-साथ डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस यूक्रेन युद्ध के युद्ध को विराम तो नहीं दे पाए किंतु युद्ध की आग को और भड़का दिया है। उधर परमाणु संपन्न देश चीन नॉर्थ कोरिया और रूस की त्रिगुटीय जुगलबंदी ने अमेरिका सहित नाटो यूरोपीय देश और यूक्रेन की नींद उड़ा दी है। उल्लेखनीय की नॉर्थ कोरिया और साउथ कोरिया के आपस के कड़वे रिश्ते के बीच अमेरिका का साउथ कोरिया को लेकर काफी हस्तक्षेप है जिसे नॉर्थ कोरिया कई दशक से पसंद नहीं करता आया है ।संयुक्त राष्ट्र संघ और एमनेस्टी इंटरनेशनल की भूमिका निरर्थक हो चुकी है वैसे भी संयुक्त राष्ट्र संघ अमेरिका तथा यूरोपीय देशों की कठपुतली बन चुका है। क्या मानवीय संवेदनाओं की आशाएं निर्मूल साबित हो रही हैं। वैश्विक शांति और अमन की कल्पनाओं से परे वैश्विक युद्ध की आशंका में उत्तर कोरिया ने भी अपना मोर्चा खोल दिया है ताजा ताजा घटनाक्रम में रूस के विदेश मंत्री लावरोव उत्तर कोरिया के दौरे पर जाकर वहां के समकक्ष चोई सांन संग से उत्तर कोरिया के शहर पूर्वी वोंनसान में अत्यंत महत्वपूर्ण मीटिंग की है।रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने उत्तरी कोरिया के तानाशाह नेता किम जोंग उन से भी मुलाकात कर रुस को यूक्रेन और अमेरिका के खिलाफ समर्थन देने की बात रखी जवाब में उत्तरी कोरिया के तानाशाह नेता किम जोंग उन ने रूस को अमेरिका यूरोप और यूक्रेन के खिलाफ निशर्त खुला समर्थन देने की घोषणा कर दी है। गौरतलब है कि उत्तरी कोरिया पिछले कई महीनो से मिसाइल का परीक्षण कर साउथ कोरिया अमेरिका तथा यूरोपीय देशों को सीधा-सीधा संदेश दिया है कि साउथ कोरिया और नॉर्थ कोरिया के संबंधों के बीच किसी देश के हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उत्तर कोरिया की आधिकारिक न्यूज एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच अब तनाव बढ़ने लगा है।ह्ल उधर उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु कार्यक्रम के जवाब में अमेरिका दक्षिण कोरिया व जापान त्रिपक्षीय त्रिपक्षी संधियां और सैनिक अभ्यास का विस्तार तथा फिर से बहाली कर रहे हैं। तीनों देशों ने उत्तर कोरिया के रूस और चीन को समर्थन देने के और परमाणु परीक्षणों के खिलाफ दक्षिण कोरिया प्रायद्वीप के पास अमेरिकी परमाणु सक्षम बम वर्षको के साथ संयुक्त हवाई अभ्यास किया है। उल्लेखनीय है कि तीनों देशों के सैन्य प्रमुखों ने एक गंभीर बैठक कर उत्तर कोरिया से क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा करने वाली सभी गैर कानूनी गतिविधि बंद करने का आह्वान किया है वैसे भी उत्तर कोरिया अमेरिका के नेतृत्व में दक्षिण कोरिया और जापान के इस युद्ध अभ्यास को उत्तर कोरिया के खिलाफ होने वाले हमले का पूर्व अभ्यास मानता है। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर बड़े हमले की चेतावनी भी दे डाली है। इन परिस्थितियों में विश्व में चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध तथा इसराइल हमास लेबनान ईरान युद्ध के अलावा उत्तर कोरिया ने हमले की धमकी देकर एक नये युद्ध का मोर्चा खोल दिया है।ह्ल यह तो सर्व विदित है कि उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग-उन एक सनकी तानाशाह है और अमेरिका पर परमाणु युद्ध के हमले की गाहे-बगाहे धमकियां भी दिया करता है।ह्ल उत्तर कोरिया दक्षिण कोरिया की किसी भी हिमाकत पर उस पर हमला कर सकता है।ह्ल उधर रूस यूक्रेन युद्ध को ढाई वर्ष पूरे हो चुके है कई प्रभावशाली प्रयासों के बाद भी युद्ध रुकने का नाम नहीं ले रहा है रूस के व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के व्लादिमीर जेलेन्स्की हास्य कलाकार होने के बावजूद यूक्रेन के लिए त्रासदी के नायक बन गए हैं।

अशोक हिन्दुजा के जन्मदिन पर एसआरएन के मां की रसोई में लोगों को कराया गया भोजन

मां की रसोई में मेजबान बना हिन्दुजा समूह

भारत संवाद

स्वरूपरानी मेडिकल कॉलेज परिसर में नन्दी सेवा संस्थान द्वारा संचालित मां की रसोई में मंगलवार को उद्योग जगत के प्रतिष्ठित एवं ख्यातिलब्ध समूह हिन्दुजा ग्रुप (अशोक ले लैंड) की तरफ से सैकड़ों लोगों को भोजन कराया गया। हिन्दुजा समूह के चेयरमैन अशोक पी हिन्दुजा के जन्मदिन के अवसर पर हिन्दुजा समूह द्वारा मां की रसोई में मरीजों एवं उनके परिवारजनों को भोजन कराकर सेवा कार्य किया गया। हिन्दुजा समूह की तरफ से मंगलवार को मां की रसोई में आने वाले लोगों का स्वागत करते हुए उन्हें भोजन कराया गया। अशोक हिन्दुजा के दीर्घायु की कामना के साथ केक काटा गया। जिसे लोगों को खिलाया गया। मंगलवार को मां की रसोई में हिन्दुजा समूह ने मेजबान की भूमिका निभाई। जीवन में अपने परिश्रम, लगन एवं समर्पण के माध्यम से सम्मान व पहचान अर्जित करने वाले प्रतिष्ठित व्यक्ति जब किसी सेवा कार्य को प्रोत्साहित करते हैं, तो उसके गहरे और व्यापक प्रभाव होते हैं। माँ की रसोई अपनों की चिन्ता में व्यथित व चिन्तित तीमारदारों/परिजनों की सेवा का संवेदनशील मानवीय उपक्रम है। हिन्दुजा ग्रुप जैसे अग्रणी औद्योगिक समूह का माँ की रसोई के सेवा कार्यों को रेखांकित करना बेहद उत्साहजनक एवं प्रेरक है।

मुख्य सचिव महोदय की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स नीति-2022: एम्पावर्ड कमेटी की पहली बैठक संपन्न

नीति के तहत कुल 1416 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 20 कंपनियों को जारी की गई यूनिक आईडी

भारत संवाद

- दो निजी निवेशकों को लेटर ऑफ कंफर्ट जारी के प्रस्ताव को मिली मंजूरी
- दोनों परियोजनाएं वाराणसी एवं उन्नाव के आसपास के क्षेत्रों में रोजगार सृजन में निभायेंगी महत्वपूर्ण भूमिका

मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स नीति-2022 के तहत गठित एम्पावर्ड कमेटी की प्रथम बैठक आज आयोजित की गई। बैठक में दो निजी निवेशकों को लेटर ऑफ कंफर्ट (एलओसी) जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके तहत मेसर्स ओडब्ल्यूएम लॉजीपार्क वाराणसी एलएलपी को 4.89 करोड़ रुपये तथा मेसर्स केएमआरए एसोसिएट्स एलएलपी, उन्नाव को 4.90 करोड़ रुपये की पूंजीगत सब्सिडी प्रदान की जायेगी। यह कदम उत्तर प्रदेश में लॉजिस्टिक और वेयरहाउसिंग क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने और राज्य को औद्योगिक विकास के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। यूपीसीडा के सीईओ श्री मयूर माहेश्वरी ने बताया कि उत्तर प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स नीति-2022 के तहत अब तक प्रदेश में कुल 1416 करोड़ रुपये के निवेश के लिए यूपीसीडा द्वारा 20 कंपनियों को यूनिक आईडी आवंटित कर दी गई है। इन सभी कंपनियों का कार्य प्रगति पर है। इसमें से दो कंपनियों को लेटर ऑफ कंफर्ट जारी करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा रहा है। मेसर्स ओडब्ल्यूएम लॉजीपार्क वाराणसी एलएलपी ने वाराणसी के ग्राम बिहरा, तहसील राजातालाब में 8.94 एकड़ क्षेत्र में 33.29 करोड़ रुपये का पूंजीगत निवेश कर स्टोरेज फैसिलिटी (वेयरहाउस) परियोजना स्थापित की है। वहीं, मेसर्स केएमआरए एसोसिएट्स एलएलपी ने उन्नाव के ग्राम रसूलपुर, तहसील हसनगंज में 12 एकड़ क्षेत्र में 44.58 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उत्तर प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स नीति-2022 के तहत सब्सिडी पात्रता के लिए न्यूनतम 1 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में 20 करोड़ रुपये का निवेश आवश्यक है। पात्रता पूरी करने पर पूंजी निवेश का 15% (अधिकतम 5 करोड़ रुपये) पूंजीगत सब्सिडी दिये जाने की व्यवस्था है। दोनों कंपनियां इन सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करती हैं। प्रस्तावित परियोजनाएं आसपास के क्षेत्रों में रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगी। बैठक में प्रमुख सचिव आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स श्री अनुराग यादव, सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास श्री विजय किरण आनंद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

फास्ट ट्रैक

थाना चिल्ह पुलिस द्वारा बहला फुसला के भगाने व धमकी के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना चिल्ह, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 09.07.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की नाबालिक पुत्री को बहला झझफुसला के भगाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना चिल्ह पर मु0अ0सं0-176/2025 धारा 137(2),87,351(4) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में थाना प्रभारी चिल्ह को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 15.07.2025 को उप-निरीक्षक सुरेश राम मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना चिल्ह क्षेत्र से नामजद अभियुक्त प्रिंस कुमार पुत्र हरीराम प्रजापति निवासी ग्राम बालापुर थाना बड़हरिया जनपद सिवान बिहार को अंतर्गत धारा 137(2),87, 351(4) बीएनएस में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

जल निगम के द्वारा वर्षा के मौसम में पाइप कनेक्शन हेतु सड़क खोदने पर जिलाधिकारी द्वारा व्यक्त की गई कड़ी नाराजगी, एक सप्ताह में ठीक कराएं अन्यथा होगी निलम्बन की कार्यवाही

लालडिग्गी पुलिस चैकी के बगल विगत 40 दिनों से गड्ढा खोदाई कार्य का जिलाधिकारी ने निरीक्षण अविलम्ब कार्य पूर्ण करने का दिया निर्देश, जल निगम के अधिकारियों को लगाई फटकार

भारत संवाद

मीरजापुर , जल जीवन मिशन/जल निगम नगरीय द्वारा लालडिग्गी पुलिस के बगल में विगत 40 दिनों से सीवर/पाइप बिछाने के कार्य हेतु बड़ा गड्ढा खोदकर कार्य में लेट लतीफी होने तथा वहां वासियों के द्वारा जिलाधिकारी से शिकायत के पश्चात जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने आज लालडिग्गी पहुंचकर मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां के निवासियों के द्वारा बताया गया कि सीवर अथवा पाइप बिछाने/कनेक्शन के नाम पर लगभग 12 फीट लम्बाई व 07 से 08 फीट की गहराई में गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया है जिससे आने जाने में यातायात प्रभावित हो रहा है तथा आस पास के दुकानदारों को भी काफी परेशानी हो रही हैं। जिलाधिकारी ने निरीक्षणोपरान्त जल निगम नगरीय के अधिशासी अभियंता को कड़ी फटकार लगाते हुए अविलम्ब कार्य पूर्ण कर सड़क मरम्मत सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया तो वहीं पास में ही पाइप कनेक्शन के नाम पर लगभग 05 फीट गहरा गड्ढा अलग से खोदे जाने पर अवर अभियंता जल निगम नगरीय अविनाश मौर्या को कड़ी फटकार लगाते हुए चेतावनी दी कि एक सप्ताह के अन्दर कनेक्शन कार्य पूर्ण कर गड्ढा पाटते हुए सड़क मरम्मत सुनिश्चित कराएं अन्यथा एक सप्ताह में कार्य पूर्ण न होने पर निलम्बन की कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि वर्षा के मौसम में सड़क की खुदाई न करने के निर्देश के उपरान्त भी गड्ढा खोदा गया जो घोर लापरवाही का द्योतक हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि वर्षा के मौसम को देखते हुए सड़को पर कहीं गड्ढा आदि की खोदाई न की जाए ताकि यातायात सुचारू रूप से संचालित रहें। इस अवसर पर लालडिग्गी में एक होटल/रेस्टोरेंट के बगल की गली में भी नगर पालिका गड्ढा खोदाई करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल कार्य पूर्ण कराकर गलियों/नालियों की मरम्मत कराने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अजय कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट विनीत उपाध्याय, उप जिलाधिकारी सदर गुलाब चन्द्र, अधिशासी अधिकारी नगर गोवा लाल सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

पूर्वोत्तर भारत को मिली नई रफ्तार

बइरबी सायरंग रेल लाइन से मिजोरम में बहेगी विकास की बयार

भारत संवाद

वर्ष 2025 मिजोरम के इतिहास में एक मील का पत्थर बनकर दर्ज हुआ है। पहली बार इस पर्वतीय राज्य की राजधानी आइजोल को देश के ब्रॉड गेज रेलवे नेटवर्क से जोड़ा गया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि बइरबीसायरंग ब्रॉड गेज रेल परियोजना के पूरा होने से संभव हो सकी है। यह न केवल मिजोरम, बल्कि समग्र पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी, आर्थिक विकास और सामाजिक समरसता के लिए भी एक क्रांतिकारी कदम है।

मिजोरम भारत का एक दूरस्थ, पहाड़ी और सीमावर्ती राज्य है, जिसकी सीमाएं उत्तर में असम और मणिपुर, पश्चिम में त्रिपुरा और बांग्लादेश तथा पूर्व व दक्षिण में म्यांमार से मिलती हैं। समुद्र से कटा होने और ऊबड़-खाबड़ भौगोलिक संरचना के कारण यह राज्य अब तक सड़क मार्ग पर ही निर्भर था। सीमित सड़क कनेक्टिविटी और अविकसित बुनियादी ढांचे के कारण यह क्षेत्र देश की मुख्यधारा से कटा-कटा महसूस करता था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 नवंबर 2014 को बइरबीसायरंग रेल परियोजना की आधारशिला रखी थी। इसके बाद भूमि अधिग्रहण कार्य 201415 में पूर्ण किया गया और 2015 16 से निर्माण कार्य आरंभ हुआ। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए यह परियोजना 2025 में पूरी हुई और जून 2025 में रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने इसके संचालन की अनुमति प्रदान की।परियोजना के अंतर्गत 51.38 किमी लंबी ब्रॉड गेज रेलवे लाइन का निर्माण किया गया है, जिस पर 100 किमी प्रति घंटे की गति से ट्रेनों का परिचालन संभव है। इस रेल खंड पर बइरबी से सायरंग के बीच हॉतोर्की, कवनपुई और मुआलखांग स्टेशन स्थित हैं। परियोजना में कुल 48 सुरंगें बनाई गई हैं, जिनकी कुल लंबाई 12.85 किमी है। इसके अलावा, 55 बड़े पुल और 87 छोटे पुल, 5 रोड ओवरब्रिज तथा 9 रोड अंडरब्रिज भी बनाए गए हैं। इनमें से सबसे ऊंचा पुल 104 मीटर ऊंचा है, जो दिल्ली की कुतुबमीनार से भी ऊंचा है।इस परियोजना की कुल लागत 7,714 करोड़ आंकी गई है और इसके निर्माण की जिम्मेदारी उत्तर-पूर्व सीमांत रेलवे को दी गई थी।यह परियोजना मिजोरम के आम नागरिकों, विशेषकर ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। सड़क मार्ग की सीमाओं से जूझते इन लोगों को अब तेज, सुरक्षित और सस्ता परिवहन विकल्प मिलेगा। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाएं और उच्च शिक्षा तक पहुंच आसान होगी, बल्कि राज्य के युवाओं को रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर भी मिलेंगे।कृषि क्षेत्र में भी इसका प्रभाव दूरगामी होगा। स्थानीय किसान अब अपने कृषि उत्पादों को देश के विभिन्न बाजारों तक कम लागत और कम समय में पहुंचा सकेंगे, जिससे उनकी आमदनी में इजाफा होगा। इससे राज्य की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नया बल मिलेगा।पर्यटन की दृष्टि से भी यह रेलवे लाइन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शराब : बिक्री का समय और शराब के शौकीनों का शोषण

भारत संवाद

उप्र की बात करें तो शराब की बिक्री पर कोई रोक नहीं है, इसकी बिक्री से भारी भरकम राजस्व मिलता है। लेकिन, शराब की बिक्री का समय नियत है। मेरे नजरिए से, शराब की बिक्री का समय 247 करने का विचार कुछ हद तक तर्कसंगत हो सकता है, खासकर जब बात शराब पीने वालों के शोषण को रोकने की हो। वर्तमान में, शराब की सरकारी दुकानों पर बिक्री का समय सीमित होता है, जिसके कारण कई बार शराब पीने के शौकीनों को अनधिकृत स्त्रोतों या कालाबाजारी से शराब खरीदने को मजबूर होना पड़ता है। ऐसे में उन्हें अपनी जरूरत पूरी करने के लिए तय कीमत से अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। चोरी छुपे ही सही लेकिन वो अपनी जरूरत के अनुसार 'व्यवस्था' कर ही लेते हैं जिसके चलते, शराब की अवैध तस्करी को भी बढ़ावा मिल रहा है। शराब के शौकीन लोग, तय कीमत से अधिक कीमत पर शराब खरीदने को मजबूर हो रहे हैं। सरकारी तंत्र भी इससे अनभिज्ञ नहीं है ! अनेक वीडियो भी समय - समय पर वायरल होते रहते हैं ! जिनका संज्ञान लिया जाता है, फिर जांच भी होती है, लेकिन परिणाम शून्य। सही तो नहीं लगता लेकिन सुझाव दे रहा हूं कि, यदि, शराब की बिक्री 247 उपलब्ध हो, तो सुलभता के चलते शराब की कालाबाजारी और अनधिकृत बिक्री पर अंकुश लगा सकता है। स्मरण रहे कि, शराब के शौकीन या जिन्हें इसकी आवश्यकता होती है, वे नियत कीमत पर सरकारी दुकानों से शराब खरीद सकते हैं, जिससे उनका आर्थिक शोषण कम हो सकता है। साथ ही, सरकार को भी 'कर' के रूप में और अधिक राजस्व प्राप्त हो सकता है, क्योंकि जब बिक्री का दायरा बढ़ेगा तो राजस्व में भी बढ़ोत्तरी हो जाएगी।हालांकि, इस विचार के कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणाम हो सकते हैं। शराब से संबंधित अपराध, घरेलू हिंसा, और स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि की आशंका रहती है। इसके अलावा, दुकानों पर 24 घंटे सुरक्षा और कर्मचारियों की व्यवस्था करना भी एक चुनौती हो सकता है। लेकिन ' राजस्व की चाहत के चलते' इस ओर चिंता करने की जरूरत शायद कम ही प्रतीत होती है।इसलिए, इस मुद्दे पर विचार करते समय सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं का संतुलन जरूरी है। फिर भी परिस्थितियों को देखते हुए और शराब पीने के शौकीन लोगों को शोषण से रोकने के लिए 247 बिक्री एक समाधान हो सकता है, लेकिन इसके साथ सख्त नियम, निगरानी, और जागरूकता अभियान भी जरूरी होंगे ताकि सामाजिक नुकसान को कम किया जा सके। यह स्मरण जरूर रहे कि, नशा नाश कर देगा, तरसोगे दाने दाने को। कटोरा हांथ में होगा, न देगा कोई खाने को।।

श्याम सिंह 'पंवार'

कानपुर।

नोटः- शराब पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है

शारीरिक प्रदर्शन, मानसिक विकास सहित समग्र स्वास्थ्य के लिये प्राकृतिक समाधान है अश्वगंधा : देवेन्द्र

अश्वगंधा की खेती से लखपति बनेंगे किसान

भारत संवाद

प्रयागराज। शारीरिक प्रदर्शन, मानसिक विकास सहित समग्र स्वास्थ्य के लिये अश्वगंधा प्राकृतिक समाधान है । अश्वगंधा, एक शक्तिशाली एडाप्टोजेनिक पौधा है, जिसने अपने व्यापक स्वास्थ्य लाभों के लिए लोकप्रियता हासिल की है। इस जड़ी-बूटी का उपयोग सदियों से आयुर्वेदिक चिकित्सा में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किया जाता रहा है। यह विचार देवेन्द्र कुमार शर्मा, प्रशिक्षक ने आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित तथा नव ज्योति संस्थान द्वारा बसुहार में आयोजित कार्यशाला में व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अश्वगंधा के लाभ पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए हैं, जो स्वास्थ्य के लिए एक प्राकृतिक दृष्टिकोण प्रदान करता है। चिंता और तनाव को कम करने से लेकर ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने और वजन घटाने में इस बहुमुखी जड़ी बूटी का महत्व है। उन्होंने बताया कि अश्वगंधा की खेती से किसान सामान्य फसलों से ज्यादा लाभ कमा सकते है। अश्वगंधा की खेती किसानों को लखपति बनाने की फसल है। आयुर्वेदिक दवाइयों में इसका प्रयोग किया जाता है। बैठक में रतन कुमार भारतीय जिला पंचायत सदस्य, प्रेम नारायण भाजपा सेक्टर संयोजक नैनी, संदीप पाल समाजसेवी, विनय शर्मा सचिव नव ज्योति संस्थान आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर 5001 अश्वगंधा के पौध वितरित किये गया।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में तेंदू पत्ता क्रय एवं संग्रहण दर निर्धारण हेतु तेंदू पत्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

भारत संवाद

मंडलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में मंगलवार को कैंप कार्यालय में वर्ष 2025 तेंदू पत्ता सत्र हेतु तेंदू पत्ता क्रय/संग्रहण दर निर्धारण हेतु तेंदू पत्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित हुई।बैठक में वर्ष 2025 हेतु तेंदू पत्ता की क्रय दरें गत वर्ष के सापेक्ष 7.5% बढ़ाने के प्रस्ताव पर सहमति बनी। बैठक में क्षेत्रीय प्रबंधक प्रयागराज सुजॉय बनर्जी, वन संरक्षक श्री तुलसीदास, डीएफओ श्री अरविंद यादव, डीएलएम हरिकेश गौतम तेंदूपत्ता व्यवसायी श्री मनोज अग्रवाल एवं श्री जावेद आलम उपस्थित रहे।

गीला कूड़ा सुखा कूड़ा अलग ही शहर को साफ-स्वच्छ बना सकता है

भारत संवाद

प्रयागराज नगर निगम की ये पहल ही शहर को साफ-स्वच्छ बना सकता है ईसी तहत श्रृष्टि बेस्ट मैनेजमेंट की टिम अलग अलग अपार्टमेंट, सोसाइटी, शहर के अलग अलग मोहल्ले मे टिम हर घर-घर जाकर लोगो से सम्पर्क कर घर मे दो डस्टवीन रखे एक मे सुखा कुडा दूसरे मे गीला कुडा रख कर आप सब सुबह नगर निगम की गाडी आने पर आप सब उसे दे और आप अपने यहा काम करने वाली या वाले को घर का जो भी कुडा हो उसे एक जगह न रख कर अलग रखे और उसे इधर-उधर न फेक सोसाइटी के निचे रखे दो डस्टवीन मे अलग अलग रखे जिसे गाडी के सफाई कर्मी उठा कर ले जायेगे कुछ काम करने वाली पालिथिन मे बाध कर किसी कोने मे या डस्टवीन मे डाल देती आप उसे बताये सुखा कुडा गिला कुडा अलग अलग पैक कर डस्टवीन मे डाले आप सभी सम्मानित लोग नगर निगम के अभियान मे अपना सहयोग करे और शहर को नम्बर वन के साथ प्रयागराज की गरिमा को स्वच्छता के प्रति बनाये रखे पालिथिन का बहिष्कार कर कपडे के झोले का प्रयोग करे स्वच्छता को मजबूरी नही संस्कार मे लाये और शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिये विशेष ध्यान रखने के लिये दुकानजी ने जोनल अधिकारी विकास सेन से चर्चा करते हुए स्वच्छता बनाये रखने के लिए हर प्रकार से सहयोग करने के लिए कहा

आयोजन

श्रीरामचरितमानस अखंड पाठ का भावपूर्ण समापन, संत भंडारे के साथ मनाया गया श्री स्वामी शुकदेवानन्द सरस्वती जी महाराज का 60वां महानिर्वाण महोत्सव

श्रीरामचरितमानस का समापन पर विशाल संत भंडारा का आयोजन

भारत संवाद

- अनन्त श्री विभूषित श्री मत्परमहंस श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ महामण्डलेश्वर श्री स्वामी शुकदेवानन्द सरस्वती जी महाराज का 60 वां महानिर्वाण महोत्सव आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा से श्रावण कृष्ण पंचमी तक श्रीरामचरितमानस का षड् दिवसीय सामूहिक संगीतमय अखंड पाठ का समापन
- महामंडलेश्वर स्वामी श्री असंगानन्द सरस्वती जी और स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के आशीर्वाद स स्वामी ज्योतिर्मयानन्द जी, स्वामी सनातन तीर्थ जी, स्वामी केशवानन्द जी, स्वामी गंगेश्वरानन्द जी, स्वामी कृष्णानन्द जी, स्वामी ब्रह्म चैतन्य जी का पावन सान्निध्य

ऋषिकेश। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा से श्रावण कृष्ण पंचमी तक आयोजित षड्दिवसीय संगीतमय श्रीरामचरितमानस अखंड पाठ का समापन एक भव्य व भावमय संत भंडारे के साथ संपन्न हुआ। यह पावन आयोजन परम पूज्य अनन्त श्री विभूषित श्रीमत्परमहंस श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ महामण्डलेश्वर श्री स्वामी शुकदेवानन्द सरस्वती जी महाराज के 60वें महानिर्वाण महोत्सव के अवसर पर आयोजित किया गया।पूज्य स्वामी शुकदेवानन्द सरस्वती जी महाराज महाज्ञानी संत महापुरूष थे, वे सनातन धर्म की दिव्य परंपरा के एक अद्भुत स्तंभ थे। उनका संपूर्ण जीवन भारतीय संस्कृति, वेद-वेदान्त और भगवद्भक्ति को समर्पित रहा। आज भी उनकी शिक्षाएं और आशीर्वाद श्रद्धालुओं के जीवन को आलोकित कर रहे हैं।उनका संदेश जल में नाव रहे तो कोई हानि नहीं, पर नाव में जल नहीं रहना चाहिये, इसी प्रकार साधक संसार में रहे तो कोई हानि नहीं, परन्तु साधक के भीतर संसार नहीं रचना चाहिये। श्रीरामचरितमानस के इस सामूहिक अखंड पाठ में बड़ी संख्या में संत, विद्वान और श्रद्धालु एकत्र हुए। संगीतमय पाठ की सुमधुर ध्वनि से पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से युक्त कर दिया। श्रीरामचरितमानस एक महाग्रंथ है जो भारतीय जनमानस की आत्मा है। उसमें भक्ति है, नीति है, नीति में जीवन-दर्शन और जीवन में लोककल्याण का संदेश भी समाहित है।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि श्रीरामचरितमानस, संस्कारों का अमृत है। श्रीरामचरितमानस का पाठ एक दिव्य संस्कार है। मानस हमें मयार्दा, सेवा, प्रेम, त्याग, और संपूर्ण जीवन की शुचिता का संदेश देती है। महानिर्वाण महोत्सव न केवल एक पुण्यस्मरण है, बल्कि उस दिव्य ज्योति को प्रणाम करने का अवसर है, जिन्होंने अनगिनत आत्माओं को आत्मज्ञान और शांति की दिशा दिखाई। इस अवसर पर भव्य संत भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने संतों की सेवा कर पुण्य लाभ अर्जित किया। यह भंडारा अन्न सेवा की उस परंपरा का स्मरण था जिसमें अतिथि और संत को नारायण के रूप में सेवा देने की भावना रही है।श्री रामचरितमानस के माध्यम से युवा पीढ़ी में जीवन मूल्य संप्रेषित होते हैं। जब समाज दिशाहीन हो रहा हो, तब श्रीराम जी के आदर्श और मानस का प्रकाश एक अमिट मार्गदर्शक है। श्रीरामचरितमानस का यह भव्य अखंड पाठ और संत भंडारा एक ऐसा पुण्य अवसर बना, जिसमें श्रद्धा, सेवा, भक्ति और आत्मचिंतन की सरिता एक साथ बही। इस आयोजन के माध्यम से पूज्य शुकदेवानन्द जी महाराज को श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों को अपनाने और सनातन धर्म की महिमा ये जीवन को प्रकाशित करने का संकल्प लिया।इस पावन अवसर पर परमार्थ निकेतन के व्यवस्थापक आर ए तिवारी जी, श्री हीरालाल जी, आर के दीक्षित जी और परमार्थ निकेतन के ऋषिकुमार उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने कोन ब्लाक के ग्राम हरसिंहपुर में सम्भावित बाढ़ के दृष्टिगत किया निरीक्षण

बाढ़ चैकियों पर कर्मचारियों को सतर्क रहने व राहत शिविर बनाने का दिया निर्देश

भारत संवाद

मीरजापुर , गंगा नदी में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन आज विकास खण्ड कोन के ग्राम हरसिंहपुर में गंगा तट पर पहुंचकर निरीक्षण किया तथा वहां के फसलों व जल स्तर के बारे में जानकारी ली। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा पूर्व माध्यमिक विद्यालय तिलठी में स्थापित बाढ़ चैकी का निरीक्षण किया तथा वहां पर किए गए व्यवस्थाओं व कर्मचारियों की उपस्थिति आदि का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ चैकियों के कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश देने के साथ ही गंगा के जल स्तर पर लगातार नजर रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गंगा नदी का जलस्तर आगे बढ़ने पर यदि किसी गांव वालों परेशानी होती है तो तत्काल उसकी सहायता करें। किसी भी स्तर पर समस्या आने पर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाशत नही की जाएगी, बाढ़ चैकियों पर निर्धारित सभी सामाग्रियां/उपकरण उपलब्ध होने चाहिए। जिलाधिकारी ने मिश्री लाल इण्टर कालेज मवैया में वैकल्पिक व्यवस्था हेतु राहत शिविर बनाने का निर्देश उप जिलाधिकारी सदर को देते हुए विद्यालय के कक्षों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में दो तहसीलों सदर व चुनार से होते हुए गंगा नदी बहती है जिसमें नदी किनारे कई गांव होने के कारण बाढ़ की सम्भावना बनी रहती हैं। गंगा नदी का चेतावनी बिन्दु 76.724 मीटर है जबकि वर्तमान में गंगा नदी का जल स्तर 74 मीटर पर चल रहा है। उन्होंने बताया कि यमुना और बेतवा नदियों में जल स्तर वृद्धि होने के कारण तीन सेंटीमीटर प्रतिघण्टा से नदी के जल स्तर में वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि बाढ़ के दृष्टिगत बनाई गई टीमें लगातार निगरानी कर रहें सभी लोगो को अलर्ट भी जारी कर दिया गया है बाढ़ चैकियां व आपदा राहत शिविर को तैयार रखने का निर्देश दिया गया, सम्बन्धित उप जिलाधिकारी व जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा बाढ़ शिविरों चैकियों का निरीक्षण किया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा हरसिंहपुर, मल्लेपुर में गंगा तट, तिलठी में बाढ़ चैकी व मवैया में बाढ़ राहत का निरीक्षण कर जायजा लिया गया

शिव ओम कावड़ सेवा समिति ने 23वां कांवड शिविर का शुभारंभ किया

भारत संवाद

सहारनपुर। शिव ओम कावड़ सेवा समिति द्वारा 23वे कावड़ शिविर का शुभारंभ बड़ी धूमधाम के साथ किया गया। शिविर में शिव भक्तों के लिए भोजन, चिकित्सा व विश्राम की व्यवस्था की गई।देहरादून रोड पर लगने कावड़ शिविर के शुभारंभ पर माता सुदीक्षा देवी के द्वारा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कराई गई। इस अवसर पर भगवान शिव की भव्य आरती की गई। जिसमें कमेटी के सभी पदाधिकारीयो समेत श्रदालुओं ने हिस्सा लिया और धर्म लाभ उठाया। आरती के पश्चात शिविर में सभी भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया और इसके पश्चात वहां पर भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम शुभारंभ के मौके पर माता सुदीक्षा देवी का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। माता सुदीक्षा देवी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हमारे लिए बड़े हर्ष की बात है इस प्रकार के कावड़ शिविर लगाए जाते हैं और दूर-दूर से शिव भक्त आकर कावड़ शिविर में ठहरते हैं उनके रहने, खाने ,नहाने , दवाइयां की व्यवस्था शिविर में की जाती है और लगभग 23 साल से शिविर का

आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी को आशीर्वाद स्वरुप पटके भी पहनाए और भरपूर योगदान की बात भी । कावड़ शिविर में दीपक सचदेवा अध्यक्ष,पूर्व महानगर अध्यक्ष राकेश जैन, महानगर अध्यक्ष शीतल बिश्नोई, किशोर शर्मा, अंतरिक्ष अरोड़ा समेत सही श्रद्धालु मौजूद रहे।

अलीगढ़ में महाकाल व काल भैरव के विशाल मंदिर की हुई स्थापना

भारत संवाद

अलीगढ़। श्री श्री 108 श्री महामंडलेश्वर गोपाल गुरु खैर वालों के द्वारा अलीगढ पलवल रोड स्थित गंगा पुरम कॉलोनी में महाकाल मंदिर की स्थापना कराई गयी, जिसमें प्रमुख रूप से यतीश कुमार कोल्ड स्टोर आशीष डिस्पोजल के परिवार को काल भैरव व पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति स्थापना का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसी क्रम में भवानी शंकर के परिवार द्वारा शिव परिवार की स्थापना की गई, विजय अग्रवाल द्वारा शनिदेव महाराज की स्थापना कराई गई। यहां पर बाबा की स्थापना के दो दिन पूर्व से ही पूजा पाठ का सिलसिला शुरू हो होगया था, रविवार की सुबह से ही भक्तों का आना शुरू हो गया था। सुबह दस बजे से बाबा का नगर भ्रमण ढोल नगाड़ों व बैंड बाजों के साथ भक्त जनों के नृत्य करते हुऐ गगन भेदी बाबा के जयकारे लगाते हुऐ सकड़ो महिला पुरुष चल रहे थे जिसमें नगर भ्रमण के दौरान अलीगढ भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्णपाल लाला प्रधान ने भी सहभागिता कर पुण्य लाभ कमाया। शहर के सेकड़ों गणमान्य लोगों ने आकर पुण्य लाभ कमाया, यहां पर शांम से देर रात्रि तक भंडारा चलता रहा ।इस आयोजन में खास बात यह रही कि इस मंदिर की मनमोहक प्रतिमा इतनी भव्य है देखते ही ध्यान होजाते हैं व मन मोह लेती है। इस अवसर पर श्री श्री 108 श्री महामंडलेश्वर महाराज ने कहा कि महाकाल की कृपा से इस मंदिर में आने वाले भक्तों के दर्शन मात्र से ही कष्ट दूर हो जाएंगे। आशीष डिस्पोजल ने कहा कि जो लोग उज्जैन जाकर महाकाल के दर्शन करने में असमर्थ रह जाते हैं उनके लिए अलीगढ़ में इस मंदिर की स्थापना की गई है जिससे वह अलीगढ़ में ही महाकाल व कालभैरव के दर्शनों का पुण्य लाभ कमा सकें, उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वह एक बार मंदिर आकर दर्शन अवश्य करने आएं। इस कार्यक्रम में महाकाल सेवा समिति के सदस्यों व उप्र सरकार से मान्यता प्राप्त पत्रकार अमित शर्मा मय परिवार के साथ पूरी मुस्तजी के साथ मौजूद रहे अन्य श्रद्धालू जन में मनीष सैनी,बबलू, सागर, साबू, बॉबी, रामेश्वर दयाल शर्मा एलआईसी के अलावा सेकड़ों स्थानीय लोगों का विशेष सहयोग रहा।

फास्ट ट्रैक

जैन समाज ने गुजरात के सीएम को भेजा ज्ञापन

जैन श्रद्धालुओं को पूजा से वंचित करने पर जताई आपत्ति

सहारनपुर। जैन समाज के प्रतिनिधियों ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को ज्ञापन भेजकर गिरनार पर्वत की पंचम टोंक पर जैन श्रद्धालुओं को पूजा से वंचित किए जाने पर गहरी आपत्ति जताई है। ज्ञापन में कहा गया है कि 2 जुलाई 2025 को देशभर से आए हजारों श्रद्धालुओं को पंचम टोंक पर भगवान नेमिनाथ के निर्वाण स्थल पर पूजा करने से रोक दिया गया। श्रद्धालुओं को न तो जयकारा लगाने दिया गया और न ही निर्वाण लड्डू या पूजन सामग्री चढ़ाने की अनुमति दी गई ज्ञापन में यह भी बताया गया कि पुलिस ने रास्ते में 10 से अधिक स्थानों पर चेकिंग करके लोगों से पूजन सामग्री जब्त की और महिलाओं के साथ अभद्रता भी की गई। प्रतिनिधियों ने इसे न सिर्फ धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन बताया, बल्कि इसे संविधान और न्यायपालिका के आदेशों की अवमानना भी कहा।जैन समाज ने अपने ज्ञापन में यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग और गुजरात राज्य गजेटियर दोनों ही पंचम टोंक को जैन तीर्थस्थल के रूप में प्रमाणित कर चुके हैं।

मानकों के अनुरूप ही डीजे होंगे संचालितः एसएसपी

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा काँवड़ियो द्वारा अपने वाहनों पर लाये जाने वाले डीजे की ऊचाईं, चैड़ाई व ध्वनि को लेकर जारी की गयी गाईडलाईन्स का कड़ाई से अनुपालन हेतु हरियाणा व उत्तराखण्ड राज्यो से जनपद सहारनपुर को जोड़ने वाले मार्गों पर कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था व्यवस्थापित की गयी है। पुलिस द्वारा डीजे की ऊचाँई 10 फुट व चैड़ाई 12 फुट से अधिक होने पर त्वरित कार्यवाही करते हुए डीजे को सीमावर्ती चैक पोस्ट पर ही तय मानको के अनुसार व्यवस्थित कराकर काँवड़ियो को उनके गंतव्य स्थल की ओर रवाना किया जा रहा है एंव कांवड मार्गो पर लगातार चैकिंग की जा रही है। अपने वाहनों को निर्धारित गति से चलाये। जिससे कोई दुर्घटना घटित न हो। तेज गति से वाहन चलाने वाले वाहनों के विरुद्ध लगातार चालानी की कार्यवाही की जा रही है।

कांवड यात्रा में शिवभक्तों तथा स्कूली बच्चों की सुविधा के दृष्टिगत 18 से 23 जुलाई तक अवकाश घोषित

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल के निदेर्शों के क्रम में कांवड यात्रा की बढती भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए कांवड यात्रा को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु तथा शिवभक्तों एवं स्कूली बच्चों की सुविधाओं के दृष्टिगत जनपद के समस्त परिषदीय, सहायता प्राप्त प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय, राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, माध्यमिक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त वित्त विहीन विद्यालय, सीबीएसई, आईसीएसई, संस्कृत बोर्ड, मदरसा बोर्ड से मान्यता प्राप्त विद्यालयों, डिग्री कॉलेजों, तकनीकी शैक्षणिक संस्थाओं में 18 जुलाई से 23 जुलाई 2025 तक अवकाश घोषित किया गया है।

प.उ.प्र.उद्योग व्यापार मण्डल की कार्यकारिणी का गठन

रोहित घई जिलाध्यक्ष, संजीव गक्खड़ महानगर अध्यक्ष मनोनीत

भारत संवाद

सहारनपुर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की चुनावी बैठक बाजोरिया रोड स्थित सभागार में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महामंत्री मुकुल अग्रवाल जी उपस्थित रहे। बैठक में सर्व सम्मति से रोहित घई को व्यापार मंडल का जिलाध्यक्ष व संजीव गक्खड़ को महानगर अध्यक्ष चुना गया। सुनील ठाकुर व विनीत कर्णवाल को महानगर महामंत्री, सुनील शर्मा व नीरज अरोरा को जिला महामंत्री, मत्तीश्वर चांदना जिला प्रभारी, सचिन घई महानगर कोषाध्यक्ष, अंशुल गुप्ता जिला कोषाध्यक्ष,अरुण गंज्ञान महानगर चेयरमैन ,संयम सेठी युवा अध्यक्ष ,चिराग गुप्ता महानगर युवा अध्यक्ष, सार्थक वालिया व तनुज शर्मा जिला युवा महामंत्री , अमित खेड़ा युवा कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। चुनावी बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री मुकुल अग्रवाल ने कहा व्यापारी वर्ग पूरे प्रदेश में ळै सर्वे का विरोध करता है उन्होंने कहा व्यापारी वर्ग देश की रीढ़ की हड्डी है, व्यापारी जो टैक्स देता है उससे सरकारें चलती है। व्यापारी देश को दिशा और दशा देता है उन्होंने प्रदेश सरकार से व्यापारी कल्याण आयोग को गठित करने की मांग की है। उन्होंने शिक्षकों की भांति व्यापारियों के लिए भी विधान परिषद व राज्य सभा की सीटों को आरक्षित करने की मांग की। इनके अतिरिक्त बैठक को जिलाध्यक्ष रोहित घई, महानगर अध्यक्ष संजीव गक्खड़, प्रदेश संगठन मंत्री विवेक चावला, प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा मोनिका यादव, दीपिका गौड़ ,पूजा पाल, सुनील राणा, सुनील शर्मा, राजेश राणा , राजकुमार बत्रा , आदि ने संबोधित किया। बैठक में। विजय सैनी, अंकित अरोरा, प्रवेश कंबोज,मिखाईल मल्होत्रा, गौरव बत्रा,राव साजिद, प्रिंस परुथी,गौरव शाह पंकज डावर, सुनील नागपाल, मोहित पुरी,राकेश सिकरी, दीपक सलूजा , राजेश चुग ,शेखर सचदेवा , जितेंद्र खुराना सचदेवा, अरविंद आहूजा विवेक गगनेजा,हरि ओम कालरा, अंकित गाबा आदि व्यापारी उपस्थित रहे।

विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर राजकीय आईटीआई में लगी कौशल प्रदर्शनी

युवाओं के शिक्षित होने के साथ ही कुशल होना आवश्यकः राजीव गुम्बर

भारत संवाद

सहारनपुर। शासन के निदेर्शानुसार विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के परिसर में कौशल प्रदर्शनी एवं स्टॉल लगाये गये। कौशल प्रदर्शनी में प्रशिक्षार्थियों द्वारा विभिन्न मॉडल को संस्थान के परिसर में प्रदर्शित किया गया।

मुख्य अतिथि विधायक नगर राजीव गुम्बर द्वारा प्रदर्शनी का उदघाटन किया गया। उन्होने कहा कि 21वीं सदी में सबसे बड़ी चुनौती है बढ़ती जनसंख्या के साथ युवाओं को रोजगार योग्य बनाना। उन्होने कहा कि युवाओं के शिक्षित होने के साथ ही कुशल होना भी आवश्यक है। कौशल विकास तथा वर्तमान चुनौती से निपटने के लिए विभाग की जिम्मेदारी बहुत की महत्वपूर्ण है। आज का युवा केवल डिग्रीधारी नहीं, कुशल होना चाहिए।

इस अवसर पर जनपद में सर्वश्रेष्ठ सेवायोजित 11 प्रशिक्षार्थियों को ह्लह्लकौशल यूथ आईकॉनह्लह्ल सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त 14 जुलाई को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित रोजगार मेले में नियुक्ति प्राप्त 15 प्रशिक्षार्थियों को नियुक्ति-पत्र वितरित किये गये एवं जनपद में कौशल विकास योजना आईटीआई के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित उद्योगों के प्रतिनिधियों को भी मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया।

प्रधानाचार्य राकेश कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि व्यावसायिक शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग द्वारा रोजगारपरक अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन प्रशिक्षण दिलाकर युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार में स्थापित करने का प्रयास है। व्यावसायिक शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग का उद्देश्य नये-नये व्यवसाय खोलकर युवक-युवतियों को वक्त की चुनौतियों से निपटने एवं उनके बेहतर भविष्य को सवारने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करना है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 4320252026 — निविदा सूचना — दिनांक 11.07.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **मण्डल रेल प्रबन्धक/उत्तर मध्य रेलवे/ प्रयागराज** निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई- नि. सूचना सं.: 4320252026-130, GEM/2025/B/ 6411037 Dtd: 11.07.2025.

कार्य का नाम : दो (02) वर्षों के लिए रेलगांव कॉलोनी, जीएम कार्यालय परिसर और सूबेदारगंज स्थित अन्य सेवा भवनों के रख-रखाव की द्विवार्षिक सेवा प्रदान करना।

अनुमानित लागत (₹में): 4,66,41,214.10; **अमानत राशि (₹में):** 3,83,210.00, **कार्य की प्रकृति :** कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

ई- नि. सूचना सं.: 4320252026-131, GEM/2025/B/ 6414286 Dtd: 11.07.2025.

कार्य का नाम : प्रयागराज शहर में मौजूदा अधिकारी विश्राम गृह और अधीनस्थ विश्राम गृह का हाउसकीपिंग और संचालन दो वर्षों के लिए।

अनुमानित लागत (₹में): ₹1,25,95,297.00; **अमानत राशि (₹में):** ₹2,12,980.00, **कार्य की प्रकृति :** हाउसकीपिंग या सफाई का कोई भी काम।

उपरोक्त दोनों निविदाओं हेतु बंद होने की तिथिः 04.08.2025 को 16.00 बजे एवं **कार्य समापन की अवधिः** 24 माह। **नोटः- 1.** पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुत करने के लिए वेबसाइट www.Gem.gov.in पर देखें। 1227/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

पंचायत चुनाव को मतदाता सूची का पुनरीक्षण 14

15 जनवरी 2026 को मतदाता सूची का होगा अंतिम प्रकाशन

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची का वृहद पुनरीक्षण अभियान 14 अगस्त से शुरू किया जाएगा। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे।डीएम संजीव रंजन ने अभियान के लिए एडीएम प्रशासन पंकज कुमार को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नामित कर दिया है। सभी 5 तहसील के एसडीएम सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व तहसीलदार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नामित किए गए है। वहीं सभी खंड़ विकास अधिकारियों को समन्वयक अधिकारी व सहायक विकास अधिकारी को सहायक समन्वयक अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची के वृहद पुनरीक्षण का कार्य 14 अगस्त से 29 सितंबर के बीच किया जाएगा। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, कटवाने, संशोधन कराने के लिए 22 सितंबर तक आनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। इन आवेदनों की जांच के लिए बीएलओ 23 सितंबर से 29 सितंबर तक घर-घर जाकर सत्यापन कर आवेदन का निस्तारण करेंगे।

डाइट में प्राथमिक शिक्षकों को दिया जा रहा संपूर्ण प्रशिक्षण

शिक्षकों को आधुनिक सगिक्षण मे दक्ष बनाएगा प्रशिक्षण : प्राचार्य

भारत संवाद

पीलीभीत। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बीसलपुर में प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के क्षमता संवर्धन के लिए 'संपूर्ण' एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल का प्रशिक्षण शुरू हो चुका है। यह कार्यक्रम राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता और सीखने के परिणामों में सुधार करना है। इस प्रशिक्षण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023, निपुण भारत अभियान, कला व संगीत एकीकृत शिक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा व खेल एकीकृत शिक्षण, एनसीईआरटी की नई पाठ्यपुस्तकों का उपयोग, हिंदी, संस्कृत, उर्दू, और अंग्रेजी भाषा शिक्षण, नैतिक शिक्षा, जीवन कौशल, शिक्षण योजना, आकलन, गणित शिक्षण, अनुभवात्मक शिक्षण, पुस्तकालय उपयोग, समावेशी शिक्षा, और कक्षा-विद्यालय प्रबंधन जैसे विषय शामिल हैं। प्राचार्य महेंद्र कुमार सिंह का कहना है कि इस वृहद प्रशिक्षण का मुख्य लक्ष्य शिक्षकों को छात्रों में आलोचनात्मक सोच, मूल्यांकन, और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए सशक्त बनाना है। यह कार्यक्रम शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण विधियों और आईसीटी के उपयोग में भी दक्ष बनाएगा, ताकि शिक्षा प्रणाली को और प्रभावी बनाया जा सके।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं- 4120252026 — दिनांकः 10.07.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक / उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज निम्न लिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डेरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई निविदा सूचना सं.:4120252026-125	**अनुमानित लागत(₹ मे):** ₹ 1,49,77,623.95
कार्य का नामः शेष कार्य - PCOI स्टेशन भवन के प्रथम तल पर HWH और NDLS छोर की ओर फर्नीचर आदि के साथ विस्तार।	
अमानत राशि (₹ मे): ₹ 2,24,900.00	**कार्य समापन की अवधिः** 06 माह
कार्य की प्रकृतिः भवन निर्माण ।	
ई निविदा सूचना सं.:4120252026-126	**अनुमानित लागत(₹ मे):** ₹ 4,36,78,440.38
कार्य का नामः सूबेदारगंज - GM कार्यालय भवन परिसर के शौचालय ब्लॉकों का सुधार ।	
अमानत राशि (₹ मे): ₹ 3,68,400.00	**कार्य समापन की अवधिः** 09 माह
कार्य की प्रकृतिः कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य ।	
ई निविदा सूचना सं.:4120252026-127	**अनुमानित लागत(₹ मे):** ₹ 4,28,09,187.12
कार्य का नामः सूबेदारगंज- उत्तर मध्य रेलवे / मुख्यालय कार्यालय परिसर में अतिरिक्त पार्किंग शेड का प्रावधान, पोर्टिको का विस्तार, मार्ग और अन्य सम्बंधित कार्य।	
अमानत राशि (₹ मे): ₹ 3,64,100.00	**कार्य समापन की अवधिः** 09 माह
कार्य की प्रकृतिः कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य ।	
ई निविदा सूचना सं.:4120252026-128	**अनुमानित लागत(₹ मे):** ₹ 70,92,814.63
कार्य का नामः प्रयागराज -रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ एवं रेलवे दावा न्यायाधिकरण कार्यालय सुधार।	
अमानत राशि (₹ मे): ₹ 1,41,900.00	**कार्य समापन की अवधिः** 06 माह
कार्य की प्रकृतिः कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य ।	
सभी निविदा बंद होने की तिथिः 04.08.2025 को 12.00 बजे	

नोटः-1. पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। 1222/25(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या. 25/32 दिनांकः 11.07.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001: 2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	30253046	160 केएन हायर कैपेसिटी एयर स्प्रिंग	30 सेट	12.08.2025
2	40253351	एलईडी बेस्ड ट्विन बीम हेड लाइट	200 नग	28.07.2025
3	64255179	एक्सेल, व्हील एण्ड ब्रेकबार	33 नग	08.08.2025
4	38252613	नॅकल	27496 नग	12.08.2025
5	30252047	यॉ डैम्पर फॉर ऑल टाईप ऑफ एलएचबी कोचेज	471 नग	18.08.2025
6	30251013	किट फॉर किओ टाईप डिस्ट्रीब्यूटर वॉल्व कंसिस्टिंग ऑफ 48 आईटम्स	6571सेट	19.08.2025
7	30252295	सेट ऑफ हाई कैपेसिटी थर्मोप्लास्टिक पॉलिस्टर इलास्टोमर अपर एंड लोवर वाशर	679 सेट	26.08.2025
8	RC4025 Contactwire	ज्वांइटलेस ग्रुवड कॉपर कान्टेक्ट वायर 107 स्कायर.एम.एम.	1219 मीट्रिक टन	05.08.2025

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है । निविदाओं में किसी भी बदलाव / शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र / परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा। 1221/25 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 16/2025 — दिनांकः 11.07.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	विवरण	मात्रा	ई.एम.डी. (रू.)	निविदा खुलने की तिथि
1	19255671A	डिजाईन, मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई, इंस्टालेशन, टेस्टिंग, कमीशनिंग, एंड प्रोविंग ऑफ़ हाइड्रोलिक री- रेलिंग इक्विपमेंट	02 सेट	3,28,200/-	07.08.2025

नोटः- (1) उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **(2)** उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारुप मे बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **(3)** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म / लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **(4)** संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट **https://www.ncr.indianrailways.gov.in** पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1231/25 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. CEN-2025-26-08 — दिनांकः 11.07.2025

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **उप मुख्य (इंजी0)/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज** द्वारा निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक **04.08.2025** के समय **15.00** बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदाओं का विवरण इस प्रकार है।

कार्य का विवरणः Dy. CE/C/PRYJ के अधीन इरादतगंज-मानिकपुर खंड के लिए Final location Survey (FLS) जिसमें चित्र तैयार करना, विस्तृत लागत अनुमान और मात्रा का बिल (बीओक्यू), भूमि अधिग्रहण अनुमान के साथ-साथ विस्तृत स्थलाकृतिक सर्वेक्षण करके अन्य सहायक गतिविधियॉ और आधुनिक सर्वेक्षण प्रौद्योकियों जैसे कि LiDAR/DGPS आधारित एकीकृत ड्रोन आदि और ऑटोकैड प्रणाली का उपयोग करके एक पूर्ण 3D फोटोगामैट्री और DTM (डिजिटल टेरेन मॉडल) स्थापित करना शामिल है, जो उत्तर मध्य रेलवे के "इरादतगंज-मानिकपुर" (84.5 किमी) के बीच चौथी लाइन और IDGJ (IR) से KCNN (DFC) के बीच वाई कनेक्शन के संबंध मे है। (कुल = (84.4 + 5.0) KM = 90 KM (लगभग)।

अनुमानित मूल्यः ₹ 13519650.14 (approx) | **बोली प्रतिभूमिः** ₹ 217600/- (approx)

कार्य समापन की अवधिः 06 माह, **निविदा बंद करने की तिथि और समयः 04.08.2025, 15.00** बजे, **निविदा खुलने की तिथिः 04.08.2025, 15.30** बजे। **निविदा का प्रकारः** ओपेन टेण्डर (एक पैकेट प्रणाली), **नोटः 1.** उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय **15.00** बजे तक निविदा भरने की तिथि दिनांक **04.08.2025** तक उपलब्ध है। **2.** उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नही की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अंतर्गत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** बोली प्रतिभूमि या तो ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में FA & CAO/C/NCR/PRYJ के पक्ष में प्रस्तुत की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। बैंक गारंटी बांड निविदा दस्तावेज में दिये गये अनुलग्नक-वीआईए के अनुसार होगा और बोल वैधता अवधि से परे **90 दिनों** की अवधि के लिये वैध होगा। निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित रेट रेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **4.** निविदा की राशि 10 करोड़ से अधिक होने पर संयुक्त उद्यम (जे.वी)/Consortiums/ MOUs पर विचार किया जायेगा। **5.** संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। **6.** सभी निविदाओं हेतु निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। **7.** निविदा दस्तावेज में उल्लिखित योग्यता/मानदण्डों को पूरा करने के दावे के समर्थन में अपलोड किये गये दस्तावेजों/प्रमाण-पत्रों की प्रतिलिपिकी पृष्ठ को टेण्डरर फर्म के निविदाकार या अधिकृति प्रतिनिधि द्वारा स्वयं प्रमाणित/डिजिटल हस्ताक्षरित किया जायेगा। स्वयं प्रमाणन में हस्ताक्षर, मोहर और तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) अंकित होनी चाहिये। केवल वे दस्तावेज जिन्हें निविदाकार द्वारा स्पष्ट रूप से घोषित किया गया है कि निर्धारित पात्रता मानदण्डों की अर्हता प्राप्त करने के दावे का समर्थन करने वाले दस्तावेज को ही उनकी निविदा का मूल्यांकन करने के लिये विचार किया जायेगा। निविदाकार द्वारा दी गयी किसी भी गलत जानकारी के मामले में अनुबन्ध समाप्त कर दिया जायेगा एवं बोली प्रतिभूमि, परफारमेंस गारण्टी और सिक्योरिटी डिपाजिटी जब्त कर ली जायेगी और भारतीय रेलवे में एजेंसी पर 5 (पाँच) वर्ष तक कोई भी व्यवसाय करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया जायेगा। **8.** सरकारी अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी जी.एस.टी. अधिनियम और सरकार/सम्बन्धित प्राधिकरण द्वारा समय समय पर जारी किये गये नियम लागू होंगे। **9.** किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **10.** निविदा आनलाइन दिनांक **04.08.2025** को समय **15.00** बजे तक सबमिट किया जा सकता हैं तथा निविदा **15.30** बजे उसी दिन खोली जायेगी। 1235/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939 (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

मलाई से घी बनाते समय कमरे में फैली बदबू को इन हैक्स से करें दूर, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए घी बहुत ही अच्छा माना जाता है। भारतीय घरों में घी का खूब इस्तेमाल होता है। मार्केट में सबकुछ मिलावटी मिलने लगा है। मिलावटी और नकली घी स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। इस कारण आज भी बहुत सारे घरों में खुद से मलाई से घी तैयार किया जाता है। लेकिन जब घी बनाया जाता है, तो इसकी गंध बहुत तेज निकलती है। इसकी महक इतनी ज्यादा तेज होती है कि घर में दम घुटने लगे।

ऐसे में अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घी बनाने के दौरान आने वाली बदबू को कैसे दूर किया जा सकता है।

इस चीज से दूर होगी घी की बदबू

घी से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए जब भी आप घी बनाएं, तो एक गिलास में सिरका भरकर गैस के बगल में रख दें। सिरका एक नेचुरल स्मेल ऑब्जर्वर की तरह काम करता है। यह हवा में मौजूद गंध को सोख लेता है। यह घी की तेज गंध को रोकने में सहायता करता है।

विनेगर

विनेगर में एसिटिक एसिड मौजूद होता है, जोकि हवा में मौजूद पार्टिकल्स को न्यूट्रलाइज करने का काम करता है। यह बदबू को खत्म करता है, जोकि रसोई में बहुत काम आ सकता है। इससे न सिर्फ घी की बल्कि अन्य कई तरह की दूसरी बदबू भी दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें बदबू

इसके अलावा आप अन्य कई तरीकों से भी घी की बदबू को दूर किया जा सकता है। इसके लिए आप किचन में एसेंशियल ऑयल भी रख सकते हैं, इससे भी महक दूर होगी।

बता दें कि घी की महक को दूर करने के लिए इसको बनाने के दौरान किचन की खिड़की को खुला रखें। साथ ही एग्जॉस्ट फैन को भी ऑन रखें।

रोज सुबह की ये चार आदतें किडनी को रखेंगी हेल्दी, आज ही रूटीन में करें शामिल

जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

किडनी हमारे शरीर के सबसे जरुरी अंगों में से एक है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, चयापचय प्रक्रियाओं को संतुलित करने और खून को साफ करने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है। वही शरीर में ऊर्जा का सही संतुलन बना रहता है। वहीं आजकल की अनहेल्दी लाइफस्टाइल, प्रदूषण, गलत खानपान और स्ट्रेसफुल लाइफस्टाइल की वजह से किडनी पर अधिक बोझ पड़ता है। वहीं डिटॉक्स प्रोसेस से इन अंगों को आराम मिलता है और वह अपनी कार्यक्षमता को भी बनाए रख पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सुबह की चार ऐसी आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको डेली रूटीन में शामिल करके आप किडनी को डिटॉक्स करके स्वस्थ रख सकते हैं।

गुनगुने पानी में नींबू डालकर पिएं – सुबह उठते ही खाली पेट गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पीने से लिवर डिटॉक्स करने में सहायता मिलती है। नींबू में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जोकि किडनी को शुद्ध करने और पाचन में सुधार का काम करते हैं। सुबह की यह आदत शरीर हाइड्रेटेड रखने में सहायता करती है।

ग्रीन टी या हर्बल टी पिएं – सुबह के समय आप चाय या कॉपी भी जगह हर्बल टी या फिर ग्रीन टी का सेवन कर सकते हैं। ग्रीन टी में कैटेचिन्स पाए जाते हैं, जो किडनी की सफाई करने में सहायता करते हैं और उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। डेंडेलियन या तुलसी की चाय किडनी की सफाई में भी फायदेमंद साबित हो सकती है।

फल खाएं – सुबह के समय नाश्ते में पानी से भरपूर फल जैसे खीरा, तरबूज, अंगूर या संतरा आदि का सेवन करना चाहिए। यह फल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं और किडनी से विषाक्त पदार्थों को निकालने में भी सहायता करते हैं। फलों में मौजूद नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स किडनी की कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं।

डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें – बता दें कि सुबह की शुरूआत योग और गहरी सांस लेने वाली एक्सरसाइज से करनी चाहिए। डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करने से बॉडी में ऑक्सीजन लेवल बढ़ता है, साथ ही यह विषाक्त पदार्थों को निकालने में सहायता करता है। गहरी सांस लेने से अंगों को डिटॉक्स होने में सहायता मिलती है। इसके अलावा आप धनुरासन, भुजंगासन और कपालभाति प्राणायाम कर सकते हैं, यह किडनी के लिए फायदेमंद होते हैं।

मॉनसून का मौसम हर किसी को बहुत पसंद होता है। बारिश की ठंडी बूंदें, हरियाली और ठंडी हवा का आनंद सबको भाता है। लेकिन मॉनसून के मौसम में खाने-पीने को लेकर थोड़ा सावधानी बरतनी बहुत जरूरी होती है। इस मौसम में कई तरह की बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि नमी और ठंडक की वजह से बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं। ऐसे में कुछ खास फूड्स ऐसे होते हैं जिन्हें मॉनसून में बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए, वरना सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है।

बारिश के मौसम ये गलती ना कर बैठना ये खाते ही पेट हो जाएगा खराब

आज हम आपको मॉनसून में न खाने वाले पांच फूड्स के बारे में बताएंगे, ताकि आप इस बारिश के मौसम का मज़ा लें और बीमारियों से बच सकें।

बाहर का खाना

मॉनसून में बाहर का खाना खाने से बचना चाहिए। खासकर सड़क किनारे मिलने वाले पकौड़े, समोसे, पकोड़े और अन्य स्नैक्स में नमी की वजह से बैक्टीरिया पनप सकते हैं। बारिश के कारण सड़कें गीली और कीचड़ से भरी होती हैं, जिससे भोजन में गंदगी आसानी से लग जाती है। इससे खाना तुरंत खराब हो सकता है और खाने के बाद पेट में दर्द, एसिडिटी, उल्टी-दस्त जैसी परेशानियां हो सकती हैं। अगर बाहर खाना हो भी तो हमेशा साफ-सफाई का ध्यान रखें और सुनिश्चित करें कि खाना ताजा और गर्म हो। घर पर ही ताजा और साफ-सुथरा खाना बनाएं और खाएं।

पके हुए फल और कटे हुए सलाद

मॉनसून में खुले में रखे कटे हुए फल और सलाद बिल्कुल न खाएं। बारिश की नमी और हवा में मौजूद कीटाणु इन फलों और सलादों पर जल्दी लग जाते हैं। ऐसे फल और सलाद अगर ठीक से धोएं नहीं जाते हैं तो उनमें बैक्टीरिया और कीड़े-पतंगे आसानी से पहुंच जाते हैं। इससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है, जिसके कारण उल्टी, दस्त, और पेट दर्द हो सकता है। फलों को अच्छे से धोकर छीलकर ही खाएं। सलाद को ताजा बनाएं और घर पर ही साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। अगर बाहर खाने का मन हो तो पैकेज्ड और अच्छे तरीके से पैक किए गए फल या सलाद लें।

डेयरी प्रोडक्ट्स (दूध, पनीर, दही)

मॉनसून में दूध और उससे बने उत्पादों के सेवन में सावधानी बरतनी चाहिए। बारिश के मौसम में दूध जल्दी खराब हो जाता है, जिससे उसमें बैक्टीरिया का विकास होता है। खराब दूध पीने से पेट में इंफेक्शन, दस्त और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पनीर और दही भी यदि ठीक से स्टोर न किया जाए तो इससे भी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सभी डेयरी प्रोडक्ट्स को ठंडे और साफ वातावरण में रखें। अगर आपको दूध खरीदना हो तो फ्रिज में ठंडा दूध लें और तुरंत इस्तेमाल करें। पनीर और दही भी हमेशा फ्रिज में रखें और पुराना सामान न खाएं।

तली हुई और ज्यादा मसालेदार चीजें

मॉनसून में तला हुआ और ज्यादा मसालेदार खाना खाने से बचें। बारिश के मौसम में पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और भारी तले हुए भोजन से पेट में भारीपन, एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है। मसालेदार खाना भी कई बार पेट की परेशानी को बढ़ा देता है। मॉनसून में हल्का और पौष्टिक खाना खाएं। ज्यादा तेल-मसाले वाली चीजों से बचें। आप उबला हुआ खाना, सूप, दलिया, और सब्जियां ज्यादा खाएं ताकि आपकी पाचन क्रिया ठीक रहे।

बासी और खराब खाना

बारिश के मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है। अगर आप बासी खाना खा लेते हैं तो आपको बहुत सारी बीमारियां हो सकती हैं। बासी खाना खाने से पेट में संक्रमण हो सकता है, उल्टी-दस्त और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मॉनसून में खास तौर पर खाने को अच्छे से ढक कर रखना चाहिए। खाना ताजा बनाएं और तुरंत खाएं। बचा हुआ खाना फ्रिज में रखें और दोबारा इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह गर्म करें। बासी खाना बिल्कुल न खाएं।

मॉनसून में सुरक्षित रहने के लिए कुछ अन्य टिप्स

मॉनसून में हमेशा साफ-सफाई का खास ध्यान रखें।

खाने से पहले और बाद में हाथ धोएं।

भरपूर पानी पिएं, लेकिन बाहर के खुले पानी से बचें।

ताजा और अच्छी क्वालिटी के फलों और सब्जियों का सेवन करें।

अपने आस-पास के क्षेत्र में साफ-सफाई रखें ताकि मच्छरों और कीटाणुओं का प्रकोप न हो।

मौसम के अनुसार अपनी डाइट में बदलाव करें और भारी भोजन से बचें।

मॉनसून का मौसम तो बहुत ही खूबसूरत होता है, लेकिन साथ ही यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी थोड़ा संवेदनशील होता है। इस मौसम में खाना-पीना लेकर सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। ऊपर बताई गई पांच चीजें मॉनसून में बिल्कुल न खाएं ताकि आप बीमारियों से बच सकें और स्वस्थ रह सकें। हमेशा ताजा, साफ और संतुलित भोजन करें ताकि यह मौसम आपके लिए खुशियों और सेहत से भरा रहे।

मानसून हेल्थ टिप्स: बारिश के मौसम में कैसी होनी चाहिए डाइट?

मानसून की शुरुआत देश के कई हिस्सों में हो चुकी है। बारिश के इस मौसम में मौसम तो खुशनुमा होता है, लेकिन साथ ही यह बीमारियों का खतरा भी साथ लाता है। ऐसे में सेहत का खास ध्यान रखना जरूरी होता है, खासकर हमारी डाइट यानी खाने-पीने की आदतों का।

बारिश के कारण जगह-जगह गंदा पानी जमा हो जाता है, जिससे मच्छर पनपते हैं और डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही, इस मौसम में हवा में नमी होती है, जिससे बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं। ऐसे में खासतौर पर कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत होती है।

हल्का और घर का बना खाना खाएं

मानसून के समय भारी और तले-भुने खाने से बचना चाहिए। जंक फूड या ओवरऑयली खाना खाने से फूड पॉइजनिंग, गैस, कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस मौसम में आप लौकी, करेला, टिंडा, तोरी, और दलिया जैसी हल्की चीजें खाएं। ये ना सिर्फ पचने में आसान होती हैं, बल्कि इम्युनिटी भी बढ़ाती हैं।

मौसमी फल जरूर खाएं

बारिश के समय मिलने वाले फ्रेश फल जैसे – आम, संतरा, तरबूज, खरबूजा खाने से शरीर को जरूरी पोषण और विटामिन्स मिलते हैं। ये फल आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को मजबूत करते हैं और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें

मानसून में ठंडे ड्रिंक्स या कोल्ड ड्रिंक पीने से गला खराब, जुकाम, खांसी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप गर्म पानी, हल्दी वाला दूध, अदरक-तुलसी का काढ़ा, या हर्बल चाय पिएं। इससे शरीर हाइड्रेट भी रहेगा और इन्फेक्शन से बचाव भी होगा।

प्रोबायोटिक्स को डाइट में शामिल करें

इस मौसम में पाचनतंत्र का ख्याल रखना जरूरी है। दही और छाछ जैसे प्रोबायोटिक फूड्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं। ये पाचन क्रिया सुधारते हैं और आपकी गट हेल्थ को मजबूत करते हैं।

जंक फूड और स्ट्रीट फूड से दूरी बनाएं

बरसात में गंदगी और नमी के चलते बाहर के खाने में अक्सर हाइजीन की कमी होती है। इसलिए स्ट्रीट फूड, कटे-फटे फल, और बासी खाने से बचें। इससे फूड पॉइजनिंग और संक्रमण का खतरा हो सकता है।मानसून का मौसम भले ही सुहावना हो, लेकिन सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप साफ-सुथरा, हल्का और पोषक खाना खाएं। इम्युनिटी को मजबूत रखें और फालतू के खाने से दूरी बनाएं।

चीन में जिनपिंग से मिले जयशंकर, कहा- रिश्ते सुधर रहे

राहुल गांधी बोले- भारत की विदेश नीति को बर्बाद कर रहे जयशंकर

एजेंसी

बीजिंग, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। इस मुलाकात पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री भारत की विदेश नीति को बर्बाद कर रहे हैं। इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जिनपिंग से मुलाकात की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा- बीजिंग में एससीओ के विदेश मंत्रियों के साथ मैंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। उन्हें भारत-चीन के बीच रिश्तों में हुई प्रगति के बारे में बताया। जयशंकर ने चीनी विदेश मंत्री से मुलाकात की जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन पहुंचे हैं। इससे पहले जयशंकर ने विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की थी। इस बैठक में उन्होंने दोनों देशों के बीच स्थिर और रचनात्मक संबंध बनाने की जरूरत पर जोर दिया। जयशंकर ने कहा कि सीमा से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए, लोगों

के बीच संपर्क को सामान्य बनाना चाहिए और व्यापार में आ रही रुकावटों को हटाने पर काम करना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि आपसी सम्मान और समझदारी के आधार पर भारत-चीन संबंध सकारात्मक दिशा में बढ़ सकते हैं। चीनी विदेश मंत्री से व्यापार और पर्यटन पर चर्चा बीजिंग में हुई बैठक के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से व्यापार और पर्यटन को लेकर भी अहम मुद्दे उठाए। उन्होंने चीन द्वारा लगाए गए एक्सपोर्ट कंट्रोल और व्यापारिक प्रतिबंधों को लेकर चिंता जताई। जयशंकर ने साफ कहा कि चीन को ऐसे कदमों से बचना चाहिए जो भारत के उत्पादन क्षेत्र (मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर) को नुकसान पहुँचा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने भारत और चीन के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने यात्रा को आसान बनाने, सीधी उड़ानों (डायरेक्ट फ्लाइट्स) को फिर से शुरू करने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। उनका मानना है कि इससे दोनों देशों के बीच आपसी समझ और भरोसा बढ़ेगा। एससीओ बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आतंकवाद को लेकर भारत का स्पष्ट रुख दोहराया। उन्होंने कहा कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की स्थापना का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ से मुकाबला करना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी सदस्य देशों को ह्यजीरो टॉलरेंसह्न (कतई बर्दाश्त न करने) की नीति पर मजबूती से टिके रहना चाहिए। इसके साथ ही जयशंकर ने चीन द्वारा कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने के फैसले का स्वागत किया। यह यात्रा पिछले पांच वर्षों से बंद थी, और इसका दोबारा शुरू होना दोनों देशों के बीच भरोसे और धार्मिक-सांस्कृतिक संबंधों के लिए एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। जयशंकर बोले- भारत-चीन के संबंध सुधर रहे जयशंकर और वांग यी के बीच सोमवार को द्विपक्षीय बैठक हुई।

इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को बीजिंग में चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की थी। जयशंकर ने मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात को जटिल बताया और कहा कि भारत और चीन जैसे बड़े पड़ोसी देशों के बीच खुलकर बातचीत बेहद जरूरी है। उन्होंने चीनी उपराष्ट्रपति को बताया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने को भारत में बेहद सराहा गया है।

यूक्रेन की प्रधानमंत्री बन सकती हैं यूलिया स्विरीडेंको

मौजूदा पीएम को रक्षा मंत्री बनाया जाएगा, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने खुद सिफारिश की

एजेंसी

कीव, यूलिया स्विरीडेंको यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री बन सकती हैं। खुद राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने उनकी सिफारिश की है। यूलिया, जेलेंस्की की करीबी मानी जाती हैं। वह 2020 से पीएम पद पर काबिज डेनिस शिमहाल की जगह लेंगी। जेलेंस्की ने सोमवार को एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि वे सरकार में जरूरी बदलाव चाहते हैं। हालांकि यूलिया का ढट बनाना संसद की मंजूरी पर निर्भर करता है। जेलेंस्की की पार्टी 'सर्वेंट ऑफ द पीपल' 2019 से 254 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत में है। ऐसे में माना जा रहा है कि वे देश की

अगली पीएम बनेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक यूलिया के प्रधानमंत्री बनाए जाने को लेकर आज संसद में चर्चा हो सकती है। यूलिया को नए पीएम बनाए जाने की कोशिश को लेकर विपक्षी पार्टियां नाराज हैं। उनका कहना है कि उप-प्रधानमंत्री को ही प्रधानमंत्री बनाना कोई बड़ा बदलाव नहीं है, बल्कि बस चेहरों की अदला-बदली है। कुछ विरोधियों का यह भी आरोप है कि जेलेंस्की ने यह कदम इसलिए उठाया है ताकि वह अपनी सत्ता और मजबूत कर सकें। उन्होंने जेलेंस्की पर अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपने सोमवार शाम के संबोधन में यह भी घोषणा की कि वे मौजूदा प्रधानमंत्री डेनिस शिमहाल को रक्षा मंत्री बनाना चाहते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि शिमहाल का अनुभव इस पद के लिए बेहद अहम और कीमती होगा। उन्होंने बताया कि इस समय देश के सबसे अधिक संसाधन और जिम्मेदारियां रक्षा मंत्रालय से जुड़ी हैं, इसलिए इस क्षेत्र में कुशल नेतृत्व की जरूरत है। अगर संसद इस बदलाव को मंजूरी देती है, तो शिमहाल वर्तमान रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव की जगह लेंगे। जेलेंस्की ने बताया कि उमेरोव को अमेरिका में यूक्रेन का राजदूत बनाने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अमेरिका के साथ संबंधों में और तेजी और यूक्रेन के रक्षा क्षेत्र के प्रबंधन में नए कदमों की जरूरत है। यूक्रेन और अमेरिका के बीच फरवरी में 50% रेयर अर्थ मटेरियल (दुर्लभ खनिज) को लेकर डील हुई थी। इनमें ग्रेफाइट, यूरेनियम, टाइटेनियम, लिथियम समेत कई बेशकीमती और दुर्लभ खनिज शामिल थी। इनका इस्तेमाल टेस्ला की कारों से स्पेसएक्स के रॉकेट तक, होवित्जर तोप से मोबाइल की चिप तक में होता है।

फ्रांस में राष्ट्रपति की पत्नी के पुरुष होने की अफवाह

2 महिला यूट्यूबर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में केस, कहा था- जेंडर बदलकर शादी की

एजेंसी

पेरिस, फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पत्नी ब्रिगिट मैक्रों ने दो महिला यूट्यूबर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में केस दायर किया है। इन महिलाओं ने सनसनीखेज दावा करते हुए कहा था कि ब्रिगिट मैक्रों महिला नहीं, बल्कि पुरुष हैं। इनका कहना था कि ब्रिगिट का असली नाम ज्यां-मिशेल ग्रोग्रेन्क्स था। हालांकि यह नाम ब्रिगिट के भाई का है। जीन-मिशेल और ब्रिगिट की शक्ल आपस में काफी हद तक मिलती है। इसके बाद प्रथम महिला ने इनके खिलाफ पेरिस की एक अदालत में केस किया था। कोर्ट ने सितंबर 2023 में दोनों महिलाओं को दोषी ठहराया था और उन्हें ब्रिगिट मैक्रों को 7 लाख रुपए और उनके भाई को 5 लाख रुपए हजार्ना देने का आदेश दिया था। हालांकि पेरिस की एक अपील अदालत ने 10 जुलाई को इस फैसले को पलट दिया था। इसके बाद ब्रिगिट मैक्रों और उनके भाई ने अब इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है। यह मामला दिसंबर 2021 का है, जब अमंडाइन रॉय नाम की महिला यूट्यूबर ने एक पत्रकार नताशा रे का इंटरव्यू किया। 4 घंटे के इस इंटरव्यू में नताशा ने दावा किया कि ब्रिगिट मैक्रों पुरुष हैं। नताशा रे ने यह भी दावा किया कि उन्होंने इस जानकारी के लिए 3 साल तक रिसर्च की। रे ने दावा कि जीन मिशेल ने लिंग परिवर्तन कराने के बाद इमैनुएल मैक्रों से शादी की थी। यह वीडियो वायरल हो गया और पूरी दुनिया में इसे लेकर कॉन्सपिरेसी थ्योरी फैलने लगी। अमेरिका में भी यह मामला तेजी से फैला। दो ट्रम्प समर्थक पत्रकारों कैंडेस ओवेन्स और टकर कार्लसन ने इसे सबसे ज्यादा हवा दी। दोनों ने इससे जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। उन्होंने दावा करते हुए खहा कि यह मानव इतिहास का सबसे बड़ा राजनीतिक घोटाला है। ओवेन्स ने दावा किया कि ब्रिगिट और उनके भाई जीन-मिशेल ट्रोग्नेक्स वास्तव में एक ही व्यक्ति हैं। यानी ब्रिगिट पहले जीन-मिशेल के नाम से एक पुरुष थीं और बाद में लिंग परिवर्तन कर महिला बनीं। ओवेन्स ने यहां तक कहा कि वह अपनी पूरी पेशेवर प्रतिष्ठा इस बात पर दांव पर लगा देंगी कि ब्रिगिट मैक्रों वास्तव में पुरुष हैं। इन दावों के खिलाफ ब्रिगिट मैक्रों की कानूनी टीम ने प्रतिक्रिया दी। जनवरी 2025 में ओवेन्स ने एक वीडियो में कहा कि उन्हें फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों के वकीलों की ओर से कानूनी नोटिस मिला है। उस नोटिस में साफ कहा गया था कि ब्रिगिट मैक्रों को अपनी महिला होने का प्रमाण किसी को देने की जरूरत नहीं है और ओवेन्स का व्यवहार अपमानजनक है। फिर भी, ओवेन्स इस पूरे अभियान से पीछे नहीं हटीं। उन्होंने यूट्यूब पर एक वीडियो सीरीज चलाई, जिसमें उन्होंने बार-बार ब्रिगिट मैक्रों की लिंग पहचान पर सवाल उठाए हैं। ओवेन्स का कहना है कि यह एक बहुत बड़ा राज है, जिसे सरकार और मीडिया मिलकर छुपा रहे हैं। ओवेन्स ने फरवरी 2025 में एक फ्रांसीसी पत्रकार जेवियर पौसार्ड के साथ इंटरव्यू किया, जिन्होंने किताब भी लिखी है। अमेजन पर उनकी किताब बेस्टसेलर बन चुकी है। फ्रांसीसी पत्राकर नताचा रे 2017 से ब्रिगिट मैक्रों के पुरुष होने का दावा कर रही हैं। इस साल की शुरूआत में उन्होंने रूस में राजनीतिक शरण मांगी थी। रे और उनके वकील फ्रांस्वा डांगलहंट ने रूसी मीडिया को बताया कि उन्हें फ्रांस में सताया जा रहा है, और वे रूस को एक महान लोकतंत्र मानती हैं जहां पर अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा की जाती है।

न्यूयॉर्क में भारी बारिश से बाढ़, सड़क-मेट्रो स्टेशन डूबे

इमरजेंसी का ऐलान, मदद के लिए रेस्क्यू टीम तैनात

एजेंसी

न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क शहर में भारी बारिश के चलते कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। सड़कों, मेट्रो स्टेशनों और गैस स्टेशनों पर पानी भर गया है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मैनहट्टन में मेट्रो सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गईं। कुछ इलाकों में 7 इंच तक बारिश रिकॉर्ड की गई है। बाढ़ के कारण कुछ फ्लाइटें भी रद्द कर दी गईं, जिससे यात्रियों को घंटों ट्रैफिक जाम में फंसे

रहना पड़ा। राष्ट्रीय मौसम सेवा (एनडब्ल्यूएस) ने न्यूयॉर्क के पांच इलाकों मैनहट्टन, ब्रोंक्स, ब्रुकलिन, क्वींस और स्टेटन आइलैंड के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी की है। अनुमान है कि शहर का लगभग 16% हिस्सा बाढ़ से प्रभावित है। न्यू जर्सी के गवर्नर फिल मर्फी ने मंगलवार को राज्य में आपातकाल (इमरजेंसी) की घोषणा की और राहत व बचाव कार्यों के लिए टीमें तैनात की गई हैं।

हालांकि, अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बारिश रातभर जारी रह सकती है और अचानक बाढ़ की संभावना बनी हुई है। न्यूयॉर्क सिटी इमरजेंसी मैनेजमेंट ने खासतौर पर बेसमेंट अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और रात के समय बिना चेतावनी के आने वाली बाढ़ के लिए तैयार रहने को कहा है। वहीं लोगों को सलाह दी गई है कि वे फोन, टॉर्च और जरूरी सामानों से भरा बैग अपने पास रखें और किसी भी स्थिति में ऊंचे स्थान पर जाने के लिए तैयार रहें। न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में आपातकालीन टीमें अलर्ट पर हैं और प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की मदद के लिए तैनात की गई हैं। बारिश के कारण कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई है और शहर के प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी किया है।

यमन में निमिषा प्रिया की फांसी की सजा फिलहाल टली

एजेंसी

नई दिल्लीः यमन के स्थानीय अधिकारियों ने 16 जुलाई 2025 को निमिषा प्रिया की निर्धारित फांसी की सजा स्थगित कर दी है. भारत सरकार जो इस मामले की शुरूआत से ही हर संभव सहायता प्रदान कर रही है, उस ने हाल के दिनों में निमिषा प्रिया के परिवार को दूसरे पक्ष के साथ आपसी सहमति से समाधान निकालने के लिए और समय देने के लिए भी लगातार प्रयास किए हैं. सूत्रों के मुताबिक मामले की संवेदनशीलता के बावजूद भारतीय अधिकारी स्थानीय जेल अधिकारियों और अभियोजक कार्यालय के साथ नियमित संपर्क में रहे हैं, जिसके कारण यह स्थगन संभव हो पाया है. इससे पहले भारत सरकार ने केरल की नर्स की फांसी रोकने के लिए अंतिम प्रयास किया था.फांसी स्थगित करने की औपचारिक अपीलइस संबंध में सरकार ने यमन के अभियोजन महानिदेशक से निमिषा प्रिया की फांसी स्थगित करने की औपचारिक अपील की थी. बता दें कि निमिषा को यमन के एक नागरिक की हत्या के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई है.

केरल के पलक्कड़ की रहने वाली निमिषा प्रिया पर 2017 में यमनी नागरिक तलाल अब्दो महदी की कथित हत्या का आरोप है. निमिषा

यमन में 16 जुलाई 2025 को केरल की नर्स निमिषा प्रिया की निर्धारित फांसी की सजा स्थगित कर दी गई है.

2012 में नर्स के तौर पर यमन चली गई थीं और उनके पति टॉमी भी यमन में रहते थे. जानकारी के मुताबिक उन्होंने तलाल के साथ मिलकर एक क्लिनिक शुरू की थी. इस बीच उनके पति और बेटी भारत लौट आए, लेकिन यमन में युद्ध छिड़ जाने के कारण निमिषा उनके साथ नहीं आ सकीं, जिससे वह कथित तौर पर उस यमनी नागरिक तलाल के जाल में फंस गईं.

तलाल को इंजेक्शन देकर किया बेहोश

तलाल ने निमिषा और एक अन्य यमनी महिला का कथित तौर पर गंभीर शारीरिक और मानसिक शोषण किया और उनके पासपोर्ट भी जब्त कर लिए. हताश होकर निमिषा और उस यमनी महिला ने उसे एक इंजेक्शन देकर बेहोश कर दिया और अपने पासपोर्ट छीनकर भागने की कोशिश की. हालांकि, पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया और जेल में डाल दिया.बाद में तलाल का शव उनके क्लिनिक में मिला, जिसके कारण उन पर हत्या का आरोप लगाया गया और बाद में मुकदमा चलाया गया.

राजस्थान में भारी बारिश से 16 की मौत ,यूपी में उद्घाटन से पहले 4 पुलों की सड़कें बहीं

लखनऊ, कानपुर, बरेली समेत 15 शहरों में तेज बारिश के कारण जलभराव-बाढ़ के हालात हैं। प्रदेश के कई बांध ओवरफ्लो होने लगे हैं। सोमवार को ललितपुर के गोविंद सागर बांध के 17 गेट खोले गए। चित्रकूट में उद्घाटन से पहले 51 करोड़ से बने 4 पुलों की एप्रोच सड़कें बह गईं।

एजेंसी

नई दिल्ली ,राजस्थान में भारी बारिश के चलते बाढ़ के हालात हैं। प्रदेश में बरसात के कारण हुए अलग-अलग हादसों में 24 घंटे में 16 लोगों की मौत हो गई। सोमवार को कोटा में प्रदेश में सबसे ज्यादा 198 बारिश हुई। यहां कोटा बैराज के 12 गेट खोले गए हैं। मध्य प्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। नर्मदा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जबलपुर, रीवा समेत 10 जिलों में एक सप्ताह से लगातार बारिश जारी है। इन जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सोमवार को श्योपुर के कई इलाके और गांव पानी से घिरे रहे। मकान-

मध्य प्रदेश में नर्मदा खतरे के निशान से ऊपर

दुकानों से लेकर अस्पताल तक में पानी भर गया। हिमाचल प्रदेश में बीते 24 दिन में 105 लोगों की मौत बारिश से जुड़ी घटनाओं में हो चुकी हैं। राज्य की 200 से ज्यादा सड़कें अभी भी बंद हैं। मनाली-चंडीगढ़ हाईवे पिछले 3 दिन से रोजाना लैंडस्लाइड के चलते बंद हो रहा है।

यूपी के ललितपुर में गोविंद सागर बांध के 18 में से 17 गेट खोले गए।

पंजाब के बठिंडा में लगातार बारिश के कारण स्कूल वैन खराब होने के बाद एक स्कूली बच्चे को कमर तक पानी में ले जाते हुए वैन चालक।पंजाब के बठिंडा में लगातार बारिश के कारण स्कूल वैन खराब होने के बाद एक स्कूली बच्चे को कमर तक पानी में ले जाते हुए वैन चालक।

काशी में गंगा में नाव संचालन पर पूरी तरह से रोक

उत्तर प्रदेश के काशी में गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जल पुलिस ने नावों के संचालन पर रोक लगा दी है। अभी तक नाविक गंगा आरती के समय नाव में श्रद्धालुओं को बैठाकर आरती दिखाते थे, अब इस पर भी रोक लगा दी गई है।राजस्थान में मानसून के इस सीजन बारिश से जुड़ी घटनाओं में अबतक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें पानी में डूबने, बिजली गिरने, बिल्डिंग गिरने और करंट लगने से हुई मौत शामिल हैं। चित्तौड़गढ़ में 4, , कोटा में 4, प्रतापगढ़ में 3, चूरू में 2, राजसमंद में 1, भरतपुर में 1 और पाली में 1 की मौत हुई है।चुरू के सुजानगढ़ में श्मशान घाट में पानी भरा, अस्थाई पुल से शव अंदर लाए जा रहेराजस्थान के चूरू जिले के सुजानगढ़ भोजलाई बास में चापटिया श्मशान घाट में बारिश का पानी भर गया है।

किसी न किसी को तो ज़िम्मेदार ठहराया ही जाना चाहिए

पहलगाम आतंकी हमले पर बोले उमर अब्दुल्ला

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह मुमकिन नहीं है कि 26 लोगों की जान चली जाए और हमारी तरफ से कोई प्रतिक्रिया न आए। अब जब हम जानते हैं कि सुरक्षा और खुफि या तंत्र में कोई चूक हुई है, तो किसी न किसी को तो ज़िम्मेदार ठहराया ही जाना चाहिए।

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के लिए किसी न किसी को तो ज़िम्मेदार ठहराया ही जाना चाहिए। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। यह हमला धार्मिक भेदभाव के आधार पर किया गया था। मुख्यमंत्री उमर ने इस घातक हमले की जवाबदेही तय करने की माँग करते हुए पत्रकारों से कहा कि इस विफलता के लिए कौन ज़िम्मेदार है? अगर यह खुफि या तंत्र की विफलता है, तो इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है? उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह मुमकिन नहीं है कि 26 लोगों की जान चली जाए और हमारी तरफ से कोई प्रतिक्रिया न आए। अब जब हम जानते हैं कि सुरक्षा और खुफि या तंत्र में कोई चूक हुई है, तो किसी न किसी को तो ज़िम्मेदार ठहराया ही जाना चाहिए। 22 अप्रैल को, दक्षिण कश्मीर के मनोरम शहर पहलगाम में आतंकवादियों ने पर्यटकों के एक समूह पर हमला किया। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई की सुबह ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओजेके) में आतंकी ढाँचों पर हमला किया।

अगले 5 साल में युवाओं को मिलेगी 1 करोड़ नौकरियां और रोजगार

बिहार चुनाव से पहले नीतीश सरकार का बड़ा फैसला

इस साल के अंत में होने वाले राज्य चुनावों से पहले घोषित इस फैसले को सत्तारूढ़ एनडीए सरकार द्वारा बिहार में बढ़ती बेरोजगारी और रोजगार सृजन पर कथित निष्क्रियता को लेकर विपक्ष की आलोचना का जवाब देने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने मंगलवार को 30 प्रमुख प्रस्तावों को मंजूरी दे दी, जिनमें अगले पाँच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने की योजना भी शामिल है। इस साल के अंत में होने वाले राज्य चुनावों से पहले घोषित इस फैसले को सत्तारूढ़ एनडीए सरकार द्वारा बिहार में बढ़ती बेरोजगारी और रोजगार सृजन पर कथित निष्क्रियता को लेकर विपक्ष की आलोचना का जवाब देने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है।इससे पहले रविवार को,

मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में इसी तरह की घोषणा की थी, जिसमें उन्होंने यह भी दावा किया था कि 2005 से 2020 के बीच बिहार में आठ लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरियाँ दी गईं। कुमार ने पोस्ट में कहा, अगले पाँच वर्षों (2025 से 2030) के लिए, हम एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरियाँ और रोजगार के अवसर प्रदान करके इस लक्ष्य को दोगुना करने का लक्ष्य रख रहे हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, निजी क्षेत्र, खासकर औद्योगिक क्षेत्रों में, नई नौकरियाँ और रोजगार के अवसर भी पैदा किए जाएँगे।उन्होंने आगे कहा, इसके लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया जा रहा है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै अखिलेश द्विवेदी पुत्र राम सेवक द्विवेदी एलजी 2 सुखरावती तलवार अपार्टमेंट 25 जेएमके टैगोर टउन का निवासी है। प्रार्थी का नाम महत्वपूर्ण दस्तावेजों में अखिलेश द्विवेदी है। लेकिन त्रुटिवश हाई स्कूल हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड 1981के मार्कशीट (707532) अनुक्रमांक में अखिलेश कुमार हो गया है। इसकी जगह मेरा नाम अखिलेश द्विवेदी पढा और लिखा जाए।